# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लियोन टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट -पेज: 7

तान्या मित्तल को मिला उनका पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट -पेज: 8



वर्ष: 01 | अंक: 250 | शुक्रवार 19 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए


### भारत ने ओमान के साथ व्यापार समझौते में डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर को संवेदनशील सूची में रखा

**नई दिल्ली एजेंसी:** भारत ने ओमान के साथ बृहस्पतिवार को संपन्न व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए इन संवेदनशील उत्पादों को छूट से बाहर की श्रेणी में रखा गया है। मंत्रालय के मुताबिक, शुल्क छूट से बाहर रखे गए उत्पादों में डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों पर किसी भी तरह की शुल्क रियायत नहीं दी गई है

# शिवराज ने कांग्रेस को खूब सुनाया, भरे सदन में प्रियंका ने गडकरी से की ये मांग

**नई दिल्ली एजेंसी:** मनरेगा के स्थान पर वीबी-जी राम जी विधेयक पारित होने के बाद सदन में हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी। शीतकालीन सत्र समाप्त होने में केवल एक दिन शेष है और दोनों सदनों में कई विधेयकों पर चर्चा होगी, साथ ही कई समिति रिपोर्ट भी पेश की जाएंगी। गुरुवार को राज्यसभा के दो सदस्यों ने विभिन्न राज्यों में बुनियादी ढांचे की कमियों की ओर ध्यान दिलाया, जिनमें से एक ने उत्तर प्रदेश में रेलवे क्रॉसिंग पर भीषण यातायात जाम की ओर प्रकाश डाला और दूसरे ने झारखंड और अन्य राज्यों में गर्भवती महिलाओं के लिए अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं की ओर इशारा किया। आज की कार्यवाही - लोकसभा ने

बृहस्पतिवार को विपक्ष के विरोध के बीच विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने बापू के आदर्शों को मार दिया, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। - कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से अपॉइंटमेंट (मुलाकात के लिए समय) देने को कहा और कुछ

**झारखंड और अन्य राज्यों में गर्भवती महिलाओं के लिए.**

**गुरुवार को राज्यसभा के दो सदस्यों ने विभिन्न राज्यों में बुनियादी ढांचे की कमियों की ओर ध्यान दिलाया, जिनमें से एक ने उत्तर प्रदेश में रेलवे क्रॉसिंग पर भीषण यातायात जाम की ओर प्रकाश डाला और दूसरे ने झारखंड और अन्य राज्यों में गर्भवती महिलाओं के लिए..**

देर बाद संसद भवन स्थित मंत्री के कार्यालय में कांग्रेस सांसद ने उनसे मुलाकात की तथा अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड से जुड़े मुद्दे उनके समक्ष रखे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार 2026 तक देश भर के सभी 1,050 टोल प्लाजा पर अवरोध मुक्त टोल संग्रह की व्यवस्था लागू करेगी और बीते अगस्त से चार महीनों में लगभग 40 लाख वार्षिक फास्टैग पास जारी किए गए हैं। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गडकरी ने कहा कि वार्षिक फास्टैग पास से निजी कारों को प्रति वर्ष 3,000 रुपये या औसतन 15 रुपये प्रति टोल से 200 टोल प्लाजा पार करने की अनुमति मिलेगी। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 का विरोध करते हुए इसे व्यापक विचार-विमर्श के लिए प्रवर या स्थायी समिति में भेजने की मांग की। वहीं, परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने संबंधी विधेयक को ऐतिहासिक करार देते हुए परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि इसमें सुरक्षा तंत्र से कोई समझौता नहीं होगा। सिंह ने (शांति) विधेयक, 2025 को उच्च सदन में चर्चा करने एवं पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार गुजरात में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) पक्षियों के संरक्षण की दिशा में काम कर रही

## एमजीएनआरईजीए कुछ ही महीनों में खत्म हो जाएगी, जी-रैम-जी बिल पर बोलीं प्रियंका, यह गरीबों के खिलाफ

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को लोकसभा में पारित वीबी-जी-राम-जी विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह विधेयक एमजीएनआरईजीए के भविष्य के लिए खतरा है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम इस विधेयक का विरोध करेंगे। इस विधेयक के साथ एमजीएनआरईजीए आने वाले महीनों में समाप्त हो जाएगा। जैसे ही राज्यों पर बोझ पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। यह विधेयक गरीबों के खिलाफ है। प्रियंका ने आगे चिंता व्यक्त की कि विधेयक के लागू होने से राज्य सरकारों पर अनावश्यक जिम्मेदारी आ जाएगी, जिससे देश भर के लाखों ग्रामीण परिवारों को सहारा देने वाली इस

कल्याणकारी योजना को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि आप इसे किसी भी तरह से देखें, और कोई भी समझदार व्यक्ति यह समझ जाएगा, यह 100 से 125 दिनों की एक चालाकी भरी चाल है। अगर कोई इस विधेयक को पढ़ेगा, तो उसे स्पष्ट हो जाएगा कि यह पूरी योजना आने वाले महीनों में समाप्त हो जाएगी। क्योंकि जैसे ही इतनी बड़ी रकम मुहैया कराने का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, यह योजना धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि विधेयक को बिना सहमति के पारित कराया गया। जिस तरह से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, उससे साफ है कि भाजपा के लोग और यह सरकार बापू से नफरत करती है। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से अगले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बेकार हो जाएगी। द्रमुक सांसद कनिमोझि करुणानिधि ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से ग्रामीण भारत के खिलाफ है और अब केंद्र सरकार यह निर्णय लेगी कि किन लोगों और किन क्षेत्रों के लोगों को रोजगार देना है। उन्होंने कहा कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है। आज सुबह लोकसभा ने चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) को रोजगार गारंटी योजना के रूप में पुनर्परिभाषित किया गया है।

## महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति हुई तेज, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुकाबले ममता बनर्जी ने पेश किया संवैधानिक राष्ट्रवाद

**पश्चिम बंगाल एजेंसी:** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और वैचारिक बयान देते हुए राज्य सरकार की रोजगार योजना कर्मश्री का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर शर्म महसूस होती है कि राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गांधी के नाम को कल्याणकारी योजनाओं से हटाया जा रहा है। ममता बनर्जी का इशारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के नाम में किए गए कथित बदलावों की ओर था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मश्री योजना के तहत राज्य में 75 से 100 दिनों तक रोजगार दिया जाता है और अब यह

योजना महात्मा गांधी के नाम से जानी जाएगी ममता बनर्जी ने भावुक अंदाज में कहा मैं वास्तव में शर्मिंदा हूं राष्ट्रपिता का नाम योजनाओं से हटाया जा रहा है मैं किसी और को दोष नहीं देती, क्योंकि मैं इसी देश की नागरिक हूं हम राष्ट्रपिता को भूलते जा रहे हैं यह दुखद है। उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि अगर केंद्र महात्मा गांधी को सम्मान नहीं देगा तो बंगाल देगा। ममता ने कहा, अगर आप महात्मा गांधी का सम्मान नहीं करेंगे, तो हम करेंगे अपने भाषण में ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर डॉ. भीमराव आंबेडकर मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार पटेल और लाल बाल-पाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की समावेशी संस्कृति की बात करते हुए कहा कि राज्य हर समुदाय और हर विचारधारा का सम्मान करता है। देखा जाये तो यह बयान ऐसे समय आया है जब के नाम और पहचान को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस चल रही है और तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र सरकार की इतिहास और प्रतीकों को बदलने की राजनीति बता रही है इसके अलावा, ममता बनर्जी का यह फैसला सिर्फ एक योजना का नाम बदलने का एलान नहीं है बल्कि यह आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की राजनीतिक पटकथा का पहला स्पष्ट अध्याय भी है ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल की राजनीति केवल विकास के आंकड़ों से नहीं, बल्कि भावनात्मक और वैचारिक मुद्दों से संचालित होती है और गांधी से बड़ा प्रतीक भारतीय राजनीति में शायद ही कोई हो। कर्मश्री योजना को महात्मा गांधी के नाम से जोड़कर ममता बनर्जी ने एक साथ कई निशाने साधे हैं।

## बीजेपी का मिशन बंगाल 29 और 30 दिसंबर को राज्य का दौरा करेंगे अमित शाह

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 और 30 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। कोलकाता में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान, वे राज्य भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं से मुलाकात करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गृह मंत्री महत्वपूर्ण चुनावों से पहले पार्टी की संगठनात्मक क्षमता, बूथ स्तर की योजना और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय का आकलन करेंगे। पश्चिम बंगाल पर भाजपा के नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य में पार्टी की चुनावी रणनीति को मजबूत करने के प्रयासों को तेज करने के मद्देनजर यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल का

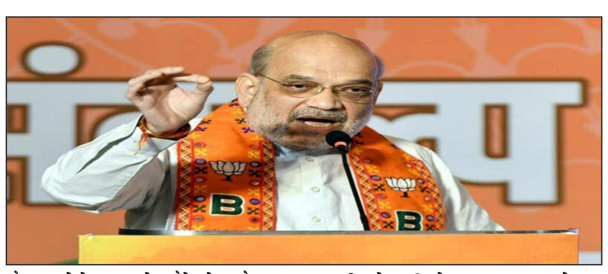

दौरा करेंगे। अपने दौरे के दौरान, पीएम मोदी नादिया जिले के ताहेरपुर में एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस द्वारा राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के विरोध के बीच हो रहा है। इससे पहले मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा फर्जी, मृत या अवैध मतदाताओं पर निर्भर हुए बिना चुनाव लड़ती है। राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चल रही बहस के बीच उन्होंने यह बात कही। मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पर बोलते हुए अधिकारी ने कहा कि भाजपा पारदर्शी चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास करती है और परोक्ष मतदान का सहारा नहीं लेती है। उन्होंने कहा, "हम ईमानदार लोग हैं। भाजपा मृत मतदाताओं, फर्जी मतदाताओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर निर्भर होकर चुनाव नहीं लड़ती है। भाजपा परोक्ष मतदान में शामिल नहीं होती है। बंगाल में मतदाता सूची में जो कुछ भी है, वह सब उजागर हो चुका है।"

## पंजाब ग्रामीण चुनावों में आप की शानदार जीत मान सरकार पर मुहर : अरविंद केजरीवाल

**नई दिल्ली एजेंसी:** आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में उनकी पार्टी के जोरदार प्रदर्शन से यह पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है।
केजरीवाल ने कहा, जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में लगभग 70 प्रतिशत सीट आम आदमी पार्टी ने जीती हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत बड़ी बात है। इससे पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है। पार्टी प्रमुख ने कहा कि 2027 में पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव से लगभग एक साल पहले यह चुनाव हुआ है।
केजरीवाल ने कहा कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए हैं, साथ ही मतदान और मतगणना की वीडियोग्राफी भी की गई थी। उन्होंने बताया कि कुल सीट में से 580 ऐसी सीट थीं जहां जीत का अंतर 100 मतों से कम था और इनमें से आप ने 261 सीट जीतीं जबकि विपक्ष ने 319 सीट पर जीत दर्ज की। यह दिखाता है कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए थे।
चुनावों के अब तक घोषित परिणामों के अनुसार, पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) आगे चल रही है। मतपत्रों की गिनती अभी जारी है, इसलिए पूर्ण परिणाम अभी घोषित नहीं किए गए हैं।
जानकारी के मुताबिक, 22 जिला परिषदों के 347 जोन और 153 पंचायत समितियों के 2,838 जोन के सदस्यों के चुनाव के लिए 14 दिसंबर को मतदान हुआ था।

## बीजेपी शिवसेना की बैठक में हो गया फैसला, 150 सीटों के बंटवारे पर बनी सहमति

**मुंबई एजेंसी:** मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से ठीक पहले एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शीर्ष नेताओं ने गुरुवार (18 दिसंबर) को महत्वपूर्ण वार्ता की और सीट बंटवारे पर एक अहम समझौता किया, जिससे मुंबई के राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ सकता है। एशिया के सबसे धनी नगर निकाय, बीएमसी की 227 सीटों पर चुनाव होने हैं, ऐसे में गठबंधन का लक्ष्य विपक्षी प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपनी शक्ति को मजबूत करना है। यह बैठक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें न केवल संख्या बल पर बल्कि चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। 150 सीटों का बंटवारा, 77 पर अभी भी चुनावी दौड़ जारी चर्चा का मुख्य बिंदु सीटों का आवंटन था, जिस पर दोनों दलों ने कुल 227 वार्डों में से 150 वार्डों के बंटवारे पर सहमति जताई। इससे 77 सीटें अभी भी

खाली हैं, जिन पर नेताओं ने अगले दो से तीन दिनों के भीतर बातचीत पूरी करके अंतिम समझौते को अंतिम रूप देने का वादा किया है। वार्ता से जुड़े सूत्रों ने सकारात्मक संकेत दिए, जिससे पता चलता है कि गठबंधन धनी बीएमसी में अपनी अधिकतम सीटें जीतने के लिए उन गढ़ों को प्राथमिकता दे रहा है जिन पर जीत हासिल की जा सकती है। बीएमसी का बजट कई भारतीय राज्यों से भी अधिक है। शीर्ष नेताओं द्वारा अंतिम सीट निर्धारण सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शेष 77 सीटों पर संयुक्त रूप से निर्णय लेंगे और जल्द ही औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है। गठबंधन स्तर की वार्ता अब अंतिम चरण में पहुंच गई है और सीट बंटवारे के फामूर्ले पर गहन विचार-विमर्श लगातार जारी है। राजनीतिक गलियारों में यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में सीट बंटवारे की पूरी योजना अंतिम रूप ले लेगी, जिससे बीएमसी चुनावों में भाजपा-शिवसेना के संयुक्त अभियान का मार्ग प्रशस्त होगा।

# सीमा पर सख़्ती, राज्य में तरक्की, हिमंत बिस्वा शर्मा का 'असम विकास मॉडल' बना मिसाल

**असम एजेंसी:** असम भारत की सामरिक दृढ़ता और विकासशील आत्मविश्वास का प्रतीक बनता जा रहा है। एक ओर जहां सीमापार से बांग्लादेश के कुछ गैर-जिम्मेदार नेता भारत के उत्तर-पूर्व को लेकर भड़काऊ और अविवेकपूर्ण बयानबाजी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दे चुके हैं कि भारत न तो कमजोर है, न चुप रहने वाला है। साथ ही, उनकी सरकार ने यह भी साबित किया है कि असम अब उग्रवाद, पिछड़ेपन और हाशिये की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, आधुनिकता और राष्ट्रीय सुरक्षा के केंद्र में खड़ा है। हम आपको बता दें कि हाल के दिनों में बांग्लादेश के कुछ नेताओं द्वारा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को अलग-थलग करने जैसी बातें कही गईं। यह न केवल भारत की संप्रभुता पर हमला है, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए भी गंभीर खतरा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस पर जो जवाब दिया, वह सिर्फ. असम के मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने दो टूक कहा कि भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और ऐसे में बांग्लादेश को इस तरह की कल्पनाएं करने से पहले

अपनी कमजोर नसों पर ध्यान देना चाहिए। हम आपको बता दें कि पहले जहां उत्तर-पूर्व को दूरस्थ इलाका समझा जाता था, आज वही क्षेत्र भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का प्रवेश द्वार है। चिकन नेक को लेकर डर दिखाने वालों को यह समझना होगा कि असम और पूरा उत्तर-पूर्व अब राजनीतिक उपेक्षा का शिकार

**हम आपको बता दें कि हाल के दिनों में बांग्लादेश के कुछ नेताओं द्वारा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को अलग-थलग करने जैसी बातें कही गई। यह न केवल भारत की संप्रभुता पर हमला है**

नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता है। यही आत्मविश्वास असम के भीतर भी दिखता है। हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में राज्य ने उग्रवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है। बोडो, कार्बी, आदिवासी और अन्य संगठनों के साथ शांति समझौते कर असम को लंबे समय से चली आ रही हिंसा से बाहर निकाला गया। आज असम में बंदूक की जगह विकास की भाषा बोली जा रही है और डर की जगह निवेश का माहौल बन रहा है। इस बदले हुए असम की झलक आने वाले दिनों में और साफ दिखेगी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा लगभग 4,000 करोड़ रुपये की लागत से बने गुवाहाटी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन होना यह बताएगा कि असम अब वैश्विक मानकों पर खड़ा होने को तैयार है। हम आपको बता दें कि असमिया संस्कृति से प्रेरित यह टर्मिनल संदेश देता है कि विकास अपनी जड़ों से कटकर नहीं, बल्कि उन्हें साथ लेकर होता है। एयरपोर्ट के इर्द-गिर्द एयरोसिटी, एमआरओ हब, एविएशन ट्रेनिंग स्कूल और एलिवेटेड कॉरिडोर जैसी योजनाएं यह साफ करती हैं
कि सरकार केवल इमारतें नहीं बना रही, बल्कि युवाओं के लिए भविष्य गढ़ रही है। यही नहीं, ब्रह्मपुत्र पर इनलैंड वाटरवे टर्मिनल, रिवर टूरिज्म को बढ़ावा और प्रधानमंत्री का फेरी से छात्रों से संवाद, ये सब असम को आर्थिक और सांस्कृतिक दोनों रूप से नई ऊंचाई पर ले जाने के प्रयास हैं।

# काकोरी शहीद दिवसः क्रांति की नींव रखने वाले काकोरी के शूरवीरों को नमन

योगेश कुमार गोयल

काकोरी कांडः आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय...

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के दस क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए, जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि भारत की आजादी यूं ही नहीं मिली बल्कि इसके पीछे अनगिनत वीरों का लहू बहा है। भारत आज भी उनका ऋणी है और सदैव रहेगा।

# स्वतंत्र भारत के इतिहास में चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा पर सबसे बड़ा संकट

निर्मल रानी

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारतवर्ष में दुनिया की सबसे जटिल समझी जाने वाली चुनावी प्रक्रिया को अपनाने व इसे पूरा कराने को लेकर जिस केंद्रीय चुनाव आयोग की पीठ पूरी दुनिया थपथपाया करती थी व दुनिया के विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल व चुनाव विशेषज्ञ जिस भारतीय चुनाव संचालन को देखने व समझने के लिये अब भी भारत आते रहते हैं वही चुनाव व चुनाव आयोग इन दिनों विपक्षी दलों के अति गंभीर आरोपों से जूझ रहा है। चुनाव आयोग व इस तरह के कई अन्य केंद्रीय संस्थानों पर सत्ता का पक्षपात करने के आरोप तो पहले भी लगते रहे हैं। परन्तु वर्तमान चुनाव आयोग जिसतरह सत्ता को फायदा पहुँचाने वाले नए नए चुनावी नियम बना रहा है,विपक्ष की प्रमाण सहित दी जाने वाली शिकयतों की अनसुनी कर रहा है,सत्ता द्वारा चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाने के बावजूद आँखें मूंदे बैठा रहता है,और अब एस आई आर के बहाने कथित तौर पर जहाँ करोड़ों फर्जी मतों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है वहीं संभावित रूप से विपक्ष की ओर जाने वाले मतों को चिन्हित कर उन्हें किसी न किसी बहाने से मतदाता सूची से काटने का काम किया जा रहा है। यानी स्पष्ट रूप से लोकततंत्र में लोक के मताधिकार पर डाका डाला जा रहा है।

वैसे तो पूरा विपक्ष ही चुनाव आयोग को केवल संदेह नहीं बल्कि सत्ता से मिलकर संविधान के साथ विश्वासघात किये जाने की दृष्टि से देख रहा है। लोक सभा व राज्य सभा के सर्वोच्च सदनों में चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। परन्तु नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने तो चुनाव आयोग द्वारा की और करायी जाने वाली धांधली पर तो बाकायदा शोध कर डाला है। और वे अपने इस चुनाव धांधली सम्बन्धी शोध परिणाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित करने से लेकर जनता जनार्दन के बीच सड़कों व गलियों तक पहुँच रहे हैं। इस संबंध वे अब तक 4 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोट चोरी के पूरे सबूत पेश कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे अगस्त-सितंबर 2025 के बीच बिहार में 16 दिनों की 1,300 किमी लंबी वोटर अधिकार यात्रा भी रक्फ़ के विरुद्ध निकाल चुके हैं। इसके अलावा 200 से अधिक सांसदों व विधायकों के साथ वे 11 अगस्त 2025 को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त मुख्यालय तक एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन रुपी पैदल मार्च भी कर चुके हैं। एक ओर तो राहुल चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये डेटा के अनुसार ही आयोग द्वारा बरती गयी अनियमितताओं संबंधी साक्ष्य पेश करते हैं तो दूसरी ओर चुनाव आयोग कभी इन आरोपों को बेबुनियाद बता कर अपना पल्ला झाड़ लेता है तो कभी उल्टे राहुल से ही शपथ-पत्र मांगने लगता है।

परन्तु लगता है कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने तो गोया चुनाव आयोग को पूरी तरह बेनकाब करने का संकल्प ही कर लिया है। गत 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस ने एक विशाल रैली आयोजित की। वोट चोर, गद्दी छोड़ के शीर्षक से किये गये इस आयोजन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देशभर से लाखों कार्यकर्ता जुटाये। इस रैली का भी मुख्य उद्देश्य हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप लगाना था। इस विशाल रैली में भी कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। इस तरह की किसी रैली में यह पहला मौका था जब कि सीधे तौर पर सबसे तीखा हमला मुख्य चुनाव आयुक्त और उसके दो आयुक्तों पर बोला गया। सांसद प्रियंका गाँधी ने एक बार और राहुल गांधी ने तो दो बार अपने भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी का नाम लेकर उनपर सीधे निशाना साधा। इन नेताओं ने उनका नाम लेते हुये आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, वोट चोरी को संरक्षण दे रहा है तथा आयोग निष्पक्ष नहीं है। ये लोग नहीं भूलें कि वे देश के चुनाव आयुक्त हैं, नरेंद्र मोदी के नहीं।राहुल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा (इम्यूनिटी) देने वाला कानून बदला है, ताकि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। कांग्रेस सत्ता में आने पर इस कानून को बदलेगी और आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। यहाँ भी राहुल ने दोहराया कि चुनाव आयोग असत्य के साथ खड़ा नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे हरियाणा में चुनाव चोरी हुआ, किस तरह कर्नाटक में लाखों वोट डिलीट हुए और महाराष्ट्र में फर्जी वोट जोड़े गए परन्तु चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया। यहाँ भी राहुल ने चुनावी धांधलियों के कई और उदाहरण पेश किये। यही नहीं बल्कि राहुल गांधी द्वारा देश भर से चुनाव आयोग के विरुद्ध लगभग 6 करोड़ हस्ताक्षर कराए गए हैं। यह अभियान कथित वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ चलाया गया था, और इन हस्ताक्षरों को राष्ट्रपति को सौंपने की योजना है। इन 6 करोड़ हस्ताक्षर को भी 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के दौरान प्रदर्शित किया गया।

# विकसित देशों के सम्पन्न नागरिक भारत में बसने के बारे में कर रहे हैं गम्भीर विचार

वैश्विक पटल पर अचानक परिस्थितियां बहुत तेजी के साथ बदलती हुई दिखाई दे रही हैं। अभी तक कुशल युवा भारतीय अपना सपना साकार करने के उद्देश्य से अमेरिका में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए जाते रहे हैं। परंतु, अब कुछ अलग प्रकार का माहौल बनता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देशों में रहन सहन (जीवन निर्वहन) के खर्चे असहनीय स्तर पर पहुंच गए हैं क्योंकि मुद्रा स्फीति की समस्या इन देशों में लम्बे समय से चल रही है, और, इन देशों द्वारा इस संदर्भ में अथक प्रयास करने के बावजूद, इसका हल नहीं निकल पा रहा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत ही भयावह स्थिति में पहुंच गई हैं। विकसित देशों में किसी भी नागरिक को स्वास्थय इंशोरेंस की सुविधा यदि उपलब्ध नहीं हैं तो उसके लिए इलाज करना असम्भव सा ही है। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत इन देशों में इतनी बढ़ चुकी है कि आम नागरिक के लिए यहां अपना इलाज करना सम्भव ही नहीं हैं। अमेरिका से तो युवाओं के साथ साथ सेवानिवृत्त नागरिक भी अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क, टेकसास, वाशिंगटन, लासअंजेल्स, सिलिकन वेल्ली, आदि शहरों से इंजीनियर, सृजक (क्रीएटर), युवा उद्यम, बुजुर्ग नागरिक, आदि निकलकर भारत के मुंबई, पुणे, गोवा, हैदराबाद, बैंगलोर, केरल, पोंडिचेरी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि शहरों/राज्यों में आकर भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं।

भारत की तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता, अति सस्ती दरों पर सेवा भावना के साथ उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं भारत की महान संस्कृति के साथ साथ साकार अवसर अमेरिका सहित विकसित देशों के नागरिकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। आज भारत का फलता फूलता तकनीकी उद्योग उच्च स्तर की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जो किसी भी तरह विकसित देशों में उपलब्ध कराई जा जा रही तकनीकी सुविधाओं से कम नहीं हैं। भारत में नागरिकों को मानसिक शांति उपलब्ध है क्योंकि भारतीय नागरिक, सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं। जबकि विकसित देशों के नागरिकों में मानसिक शांति का पूर्णतः अभाव है। विकसित देशों के नागरिक पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करते हैं जिसके चलते संयुक्त परिवारों का पूर्णतः अभाव है। इन देशों में पश्चिमी संस्कृति का अनुसरण करते हुए परिवारों में बच्चे 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही वे अपना अलग घर बसा लेते हैं और माता पिता अकेले रह जाते हैं। जिससे, माता पिता अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं और इनकी देखभाल के लिए सरकार को व्यवस्था करनी होती है। इसके ठीक

विपरीत भारतीय संस्कृति नागरिकों को आपस में जोड़ती है एवं संयुक्त परिवार भारतीय समाज की विशेषता है। बुजुर्ग नागरिकों को अपने संयुक्त परिवार में ही रहना होता है। अतः भारत में बुजुर्गों की देखभाल के लिए सरकार को अलग से कोई व्यवस्था नहीं करनी होती है।

हाल ही के वर्षों में अमेरिकी नागरिकों द्वारा भारत के लिए वीजा प्राप्त करने वालों की संख्या वर्ष 2021 के बाद से दुगुनी हो गई है। अमेरिकी नागरिक अब भारत में शांति की तलाश में आ रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में अधिकतम नागरिकों को मानसिक बीमारियों ने घेर रखा है। इन मानसिक बीमारियों से मुक्ति पाने के उद्देश्य से कई विदेशी नागरिक तो भारत के हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड जैसे राज्यों के हिमालय क्षेत्र में बस्ते जा रहे हैं। उन्हें वहां पर आध्यात्म का सुख प्राप्त हो रहा है। भारत की तेजी से बढ़ रही डिजिटल अर्थव्यवस्था से भी अमेरिका का पढ़ा लिखा वर्ग आकर्षित हो रहा है, क्योंकि उन्हें अमेरिका जैसी ही उच्चस्तरीय सुविधाएं भारत में भी उपलब्ध हो रही हैं। भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम भी भारत में नित नए नवाचार उपलब्ध करा रहा है इससे अमेरिका में पूर्व से ही सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को भी भारत में रोजगार के नए अवसर दिखाई दे रहे हैं।

साथ ही, भारत में प्रतिभावान इंजीनीयरों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है जिससे अमेरिका की कई कम्पनियां अब अपने तकनीकी कार्य को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। कई अमेरिकी कम्पनियां अब यह महसूस करने लगी हैं कि भारत में कम खर्चों में अधिक उत्पादकता मिल सकती है, क्योंकि भारत में उत्पादों की लागतें एवं कार्यबल की लागतें बहुत कम हैं, जिससे तुलनात्मक रूप से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में सुधार दिखाई दे रहा है। अमेरिका में उत्पादों की लागतें बहुत ऊंचें स्तर पर पहुंच चुकी हैं, जो कम्पनियों की लाभप्रदता को विपरीत रूप से प्रभावित कर रही हैं। और फिर, भारतीय महानगरों में अमेरिकी महानगरों की तुलना में बेहतर एवं टक्कर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारत में विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी उपलब्ध है जिससे उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली विश्व की लगभग समस्त बड़ी कंपनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रही हैं। ये बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में सस्ती उत्पादन लागत पर उत्पादों का निर्माण कर भारत में ही इन उत्पादों को बेच सकती हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर ही इन उत्पादों के लिए विशाल बाजार उपलब्ध है। अन्य कई कम्पनियां तो भारत में स्थापित विनिर्माण इकाईयों में उत्पादों का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी करने लगी हैं।

भारत में आधुनिकतम तकनीकी उपलब्ध है, रहन सहन की लागतें बहुत कम हैं, युवा एवं प्रतिभावान कार्यबल सस्ती दरों पर उपलब्ध है, भारत में मुद्रा स्फीति की दर सबसे कम है, उत्पादों का बड़ा बाजार उपलब्ध है, इन उपलब्धियों की चलते अब विदेशी निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में आज मुद्रा स्फीति की समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है एवं इसका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं इससे इन देशों में पेंशन पाने वाले नागरिक इन देशों में रहन सहन की उच्च लागत को वहन नहीं कर पा रहे हैं। जबकि भारत में इन देशों के नागरिकों का गुजारा बहुत आसानी से हो सकता है। साथ ही, भारत में हाल ही के समय में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि में अकल्पनीय सुधार हुआ है। भारत में ही अब विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं तुलनात्मक रूप से बहुत ही सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। अन्य देशों की तुलना में केवल 25/30 प्रतिशत खर्च पर भारत में अत्याधुनिक तकनीकी आधारित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अतः आज न केवल विकसित देशों बल्कि अरब देशों से भी नागरिक भारत में अपना इलाज कराने के लिए बहुत बड़ी संख्या में आने लगे हैं।

भारतीय संस्कृति भी विदेशी नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करती हुई दिखाई दे रही है। मन की शांति तो भारत के आध्यात्म में अंतर्निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना, 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' एवं 'सर्वे भवंतु सुखिनः' जैसी भावना तो केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है। भारत में योगा एवं आयुर्वेदिक जैसी सुविधाएं भी स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहयोग करते हुए दिखाई दे रही हैं। पश्चिम के केवल 'मैं' के भाव से भी नागरिक अब ऊब चुके हैं एवं वहां पर छिन्न-भिन्न हुए सामाजिक ताने-बाने से भी बहुत परेशान हैं अतः वे आत्मिक सुख की तलाश में भारत के सामाजिक ताने बाने में रचना बसना चाह रहे हैं। अमेरिका एवं अन्य देशों के नागरिक महाकुम्भ के समय लाखों की संख्या में भारत में प्रयागराज में पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के उद्देश्य से आए थे, यहां का धार्मिक माहौल देखकर ये लोग अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। विकसित देशों की तुलना में भारत में उन्हें आत्मिक शांति प्राप्त होती हुई दिखाई दे रहे हैं। आज भारत पूरे मनोयोग एवं आत्म विश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा है।

भारत में समाज बहुत लचीला है एवं अन्य देशों से भारत आ रहे नागरिकों का स्वागत करता हुआ दिखाई दे रहा हैं। अतः भारत में उनका हार्दिक स्वागत हो रहा है तथा भारत में इनकी स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस प्रकार इन विदेशी नागरिकों को भारत में स्थापित होने में किसी भी प्रकार की परेशानी दिखाई नहीं दे रही है। भारतीय समाज उन्हें न केवल स्वीकार रहा है बल्कि समस्त प्रकार की सुविधाएं एवं सहयोग भी उपलब्ध करा रहा है।

भारत में बुजुर्गों को दिए जाने वाले आदर सत्कार से भी अमेरिका का बुजुर्ग नागरिक अत्यधिक प्रभावित हैं। अमेरिका में इस प्रकार का माहौल उन्हें नहीं मिलता है। वहां तो बुजुर्गों को सामान्यतः उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है तथा इन बुजुर्गों की देखरेख सरकार को करनी होती है। आज अमेरिका में लगभग 6 लाख बुजुर्ग खुले में, पार्कों में, अपना जीवन जीने को मजबूर हैं। संयुक्त परिवार तो केवल भारत में सम्भव है अमेरिका में तो संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं। भारत के केरल, गोवा, पोंडिचेरी, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्य अमेरिका में सेवानिवृत्त हुए नागरिकों के लिए किसी स्वर्ग से कम सिद्ध नहीं हो रहे हैं।

## संपादकीय

### मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है।

## चिंतन-मनन

### नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था। उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है। व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# गंगा तिगरी मेला सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** गंगा तिगरी मेला 2025 के सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथित मंडलायुक्त मुरादाबाद मण्डल आञ्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता और जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थित में ब्लू बर्ड्स इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, स्कूल प्रबंधक राहुल अग्रवाल, निर्देशिका राखी अग्रवाल, प्रधानाचार्या अंजलि दुबे, एडमिनिस्ट्रेटर कोऑर्डिनेटर संध्या गुप्ता, पत्रकार बंधु एवं मेले में ड्यूटी करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह ने जिला प्रशासन एवं पुलिस की पूरी टीम, तथा इस आयोजन में योगदान देने वाले सभी सम्मानित स्वयंसेवक, पत्रकार बंधु, ड्यूटी करने वाले अधिकारी एवं

कर्मचारी सहित सहयोगी और उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को मेले के सफल आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर हार्दिक धन्यवाद और बधाई देते हुए कहा कि इस बार तिगरी मेला का आयोजन अत्यंत सुचारु रूप से और बेहतर अनुभव प्रदान करने वाला रहा। इसकी सफलता का श्रेय जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद जी तथा उनकी पूरी टीम की दूरदर्शी योजना और अथक प्रयासों को जाता है। पिछले वर्षों के अनुभवों से बेहतर यह आयोजन इसलिए संभव हुआ क्योंकि हर चुनौती का सामना दृढ़ता से किया गया। हम सभी जानते हैं कि यह मेला चुनौतीपूर्ण होता है। गंगा जी की धारा हर साल अपना रुख बदल लेती है, और इस बार भी अंतिम समय तक अनिश्चितता बनी रही कि आयोजन सुचारु रूप से हो पाएगा या नहीं। फिर भी, जिलाधिकारी और उनकी टीम ने निरंतर मौके पर डटकर काम किया और सभी आशंकाओं को दूर कर मेले को सफल बनाया। तिगरी मेला धार्मिक महत्व के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यहां श्रीकृष्ण जी और श्रवण कुमार जी से पौराणिक कथाएं जुड़ी हैं। मेला का बड़ा महत्व यह है कि मेला हमारी आंचलिक संस्कृति, परंपराओं और समाज को जोड़ने वाली भावना का प्रदर्शन करता है। अन्य स्थानों पर संस्कृति लुप्त हो रही है, लेकिन तिगरी में यह अभी भी जीवंत है। हमें इसे मूल रूप में संरक्षित रखना है। श्रद्धालु बेहतर अनुभव लें, साथ ही स्थानीय संस्कृति का दर्शन भी करें। अमरोहा में इस दिशा में अपार संभावनाएं हैं। हमें अपनी जीवनदायिनी नदियों, उनकी परंपराओं और पुरानी संस्कृति को बचाते हुए पर्यावरण-अनुकूल विकास करना है। यह आयोजन समाज का है और समाज की भागीदारी से ही सफल होता है। जब समाज अनुशासन बनाए रखता है, तो प्रशासन का कार्य सुगम हो जाता है। उन सभी सम्मानित अतिथियों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्होंने अनुशासन और जिम्मेदारी से योगदान दिया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने गंगा तिगरी मेले के सम्मान समारोह में उपस्थित सभी का सफल आयोजन के लिए आभार करते हुए कहा मेले में कार्ययोजना, सहयोग और प्रचार प्रसार काफी महत्वपूर्ण होता है। ये तीनों चीजें इस बार अच्छे से एग्जीक्यूट हुई। इस बार सभी व्यवस्थाओं के साथ पिछली बार से बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट रहा जिससे आने वाले श्रद्धालुओं कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने उपस्थित सभी के साथ जिन्होंने मेले के सफल आयोजन में मदद की चाहे वो किसी भी रूप में उसके लिए जिला प्रशासन हमेशा आपका आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार बंधुओं का बहुत बड़ा सहयोगी मिला। मीडिया की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए श्रीमती वत्स ने कहा, पत्रकार बंधुओं ने मेले की हर जानकारी को दूर-दूर तक पहुंचाया। आपके सकारात्मक और व्यापक कवरेज की वजह से तिगरी गंगा मेला अब 'मिनी कुंभ' के रूप में ख्याति मिली। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि, अगली बार हम इससे भी बेहतर, अधिक सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए और यादगार अनुभव वाला मेला आयोजित करेंगे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुनीता सिंह, हिमांशु उपाध्याय, शशिभूषण पाठक, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

## दरोगा के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** गुरुवार को जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में जाहरवीर मंदिर के पास आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने रहरा थाने में तैनात दरोगा परशुराम पर भ्रष्टाचार करने एवं मनमानी करने का आरोप लगाया। कहा कि भाजपा के रूखालू मंडल महामंत्री निवासी दौरारा मुकुल शर्मा कुछ दिन पहले एसआईआर के कार्य से अपनी बाइक पर सवार होकर रहरा बूथ पर जा रहे थे। रहरा थाने के सामने दरोगा परशुराम चेकिंग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भाजपा के मंडल महामंत्री हैं और एसआईआर के जरूरी कार्य से जा रहे हैं, यह सुनकर दरोगा भड़क गए और दरोगा ने उनका छह हजार रुपए का चालान काट दिया। आरोप है कि इस दौरान मुकुल शर्मा से पांच सौ रुपए की मांग भी की गई थी, रुपए न देने पर चालान काट दिया। ऐसे भ्रष्ट दरोगा के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। बैठक में दि किसान सहकारी चीनी मिल कालाखेड़ा में गेट पर फारनाइट तीसरी का 14 वां कॉलम चल रहा है। जबकि संभल साइड के कुछ सेंटरों पर फार नाइट छठी का आठवां कॉलम चल रहा है। गेट पर तौल पीछे होने की वजह से किसान परेशान हो रहे हैं। किसान गेहूं की फसल की बुवाई समय से नहीं कर पा रहे हैं। गेट पर पचास किलो प्रति टिपलर की घटतौली हो रही है। इसे रोका जाए। चीनी मिल यार्ड में जहां बुग्गी की लाइन है। वहां गढढे और रेत होने से किसानों और उनके पशु को परेशानी हो रही है। इन सभी समस्याओं का समाधान 25 दिसंबर तक नहीं कराया गया तो 26 दिसंबर को चीनी मिल पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर बैठक में यशपाल सैनी, पिंटू सैनी, सुरेंद्र पाल, राजेंद्र सिंह, गोकल सिंह पाल, सतवीर सिंह, उमेशचंद, महावीर सिंह, राजवीर सिंह, चंद्र सिंह, उमराव सिंह, अतुल सिंह, चंद्रभान सिंह, रघुवीर सिंह, सीताराम सिंह, राजवीर सिंह, जगत सिंह, गौमती देवी, रजनी देवी, सावित्री देवी आदि मौजूद रहे।

## रमपुरा खादर में अल्ट्रासाउंड तकनीक से पशुओं में बाँझपन जाँच, निःशुल्क पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले में पशुपालकों को उन्नत एवं सुलभ पशु स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में, इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से जनपद अमरोहा के ग्राम रमपुरा खादर में एक निःशुल्क पशु स्वास्थ्य एवं बाँझपन निवारण शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में पशुपालकों ने सहभागिता की। मार्गदर्शन कृषि विवि के कुलपति डा. के. के. सिंह तथा उद्घाटन विधायक राजीव तरारा ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पशुओं में बाँझपन एवं प्रजनन संबंधी समस्याएँ पशुपालकों के लिए एक गंभीर आर्थिक चुनौती बनती जा रही हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय एवं पशुपालन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह शिविर पशुपालकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों के माध्यम से अल्ट्रासोनोग्राफी, माइक्रोस्कोपी तथा अन्य आधुनिक निदान तकनीकों का प्रयोग कर पशुओं में बाँझपन की सही पहचान करना एवं मौके पर ही उचित उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराना है।

विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अमित वर्मा ने पशुओं में बाँझपन की समस्या पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि खनिज तत्वों की कमी, हीट में न आना, साइलेंट हीट, हार्मोनल असंतुलन, अंडाशय में सिस्ट, गर्भाशय में संक्रमण, प्रसवोत्तर जटिलताएँ तथा कृत्रिम गभार्धान में अनावश्यक देरी जैसे कारण बाँझपन के प्रमुख कारक हैं। उन्होंने पशुपालकों को वैज्ञानिक सलाह देते हुए कहा कि पशुओं को संतुलित एवं पोषक आहार के साथ नियमित रूप से खनिज मिश्रण अवश्य दें, हीट के लक्षणों की सही पहचान करें, समय पर कृत्रिम गभार्धान कराएँ तथा प्रसव के बाद पशु की स्वच्छता, उचित देखभाल एवं तनाव-मुक्त आवास सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भागेश सिंह ने बताया कि शिविर में विश्वविद्यालय एवं पशुपालन विभाग के डॉ. अमित वर्मा, डॉ. प्रेम सागर मौर्य, डॉ. विकास सचान,

डॉ. अरबिंद सिंह, डॉ. अजीत कुमार सिंह, डॉ. दीपाक्षी सहित अन्य पशु चिकित्सकों ने गाँव एवं आसपास के क्षेत्र के 175 से अधिक पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। साथ ही पशुपालकों को पशु प्रबंधन, पोषण एवं रोग निवारण संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर के सफल आयोजन में ग्राम प्रधान एवं ग्रामवासियों द्वारा शिविर की व्यवस्थाओं में विशेष योगदान दिया गया, जिससे आयोजन सुचारु रूप से संपन्न हो सका।

## न्यायालय की सुरक्षा को अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु किया गया मॉक ड्रिल

**अमरोहा(सब का सपना):-** जनपद में माननीय न्यायालय परिसर की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उसे और अधिक सुदृढरण बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में एएस चेक टीम अमरोहा डॉग स्कवॉड, स्वाट टीम एवं अग्निशमन टीम द्वारा न्यायालय परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं की सघन चेकिंग कराई गई। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल भी कराया गया। बता दें कि गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान न्यायालय परिसर में आवागमन करने वाले व्यक्तियों से आने जाने का कारण पूछताछ एवं तलाशी ली गई। माननीय न्यायालय परिसर

में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कंट्रोल रूम आदि सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया।परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे डीएफएमडी एचएचएमडी वह हैंडसेट की उपलब्धता व क्रियाशीलता को चेक किया गया। आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी न्यायालय सुरक्षा, अग्निशामल दल, ए एस चेक टीम, स्वान दल टीम मय स्वान, स्वाट टीम आदि पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

## निमार्णाधीन प्लॉट की नींव से निकले तीन जहरीले सांप, वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** औद्योगिक नगरी गजरौला के कवि नगर मोहल्ला निवासी विशेष यादव, जो वर्तमान में नोएडा में जॉब करते हैं, अपने घर के बराबर स्थित प्लॉट पर निर्माण कार्य कराने की तैयारी कर रहे हैं। उक्त प्लॉट की बुनियाद कई वर्षों पुरानी है। निर्माण से पूर्व नींव की खोदाई का कार्य चल रहा था।गुरुवार को नगर के मोहल्ला बस्ती निवासी एक मजदूर नींव की खुदाई कर रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी के अंदर से सांप निकल आया। सांप को देखते ही मजदूर घबरा गया और जोर से चीख पड़ा। मजदूर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी दीन दयाल यादव रेस्क्यू स्टिक के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरी सावधानी और सतर्कता

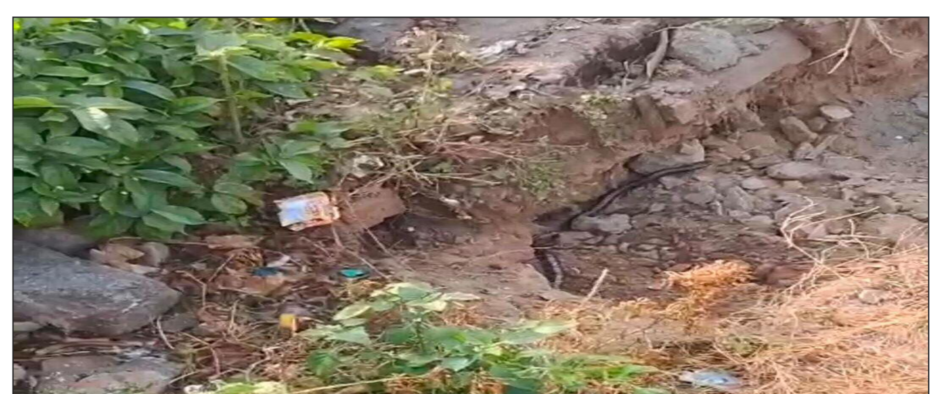

के साथ सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद सांप को आबादी से दूर जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया।प्लॉट स्वामी विशेष यादव ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब उनकी नींव से सांप निकला हो। इससे पहले भी इसी स्थान से दो सांप निकल चुके हैं, जिन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा था।वन विभाग के कर्मी दीन दयाल यादव ने बताया कि नींव से निकले तीनों सांप बेहद जहरीले प्रजाति के हैं। उन्होंने लोगों को सावधान करते हुए कहा कि ऐसे सांप दिन के समय घरों, नींव या अन्य सुरक्षित स्थानों में छिप जाते हैं और रात के समय बाहर निकलकर किसी सोते हुए व्यक्ति को डस सकते हैं, जिससे जान का खतरा बना रहता है। वन विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि कहीं भी सांप दिखाई दे तो घबराएं नहीं, उसे पकड़ने का प्रयास न करें और तुरंत वन विभाग या संबंधित विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

## अमरोहा में शीत लहर के कारण स्कूलों का समय बदला

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में बढ़ती ठंड, शीत लहर और घने कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। आदेश के अनुसार, जनपद में संचालित नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों - चाहे वे परिषदीय, माध्यमिक, राजकीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई या अन्य किसी बोर्ड से संबद्ध हों - का संचालन अब प्रातः

10:00 बजे से अपरा 3:00 बजे तक होगा। यह बदलाव दिनांक 18 दिसंबर 2025 से तत्काल प्रभावी हो गया है।उत्तर प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी शीत लहर के कारण इसी तरह के आदेश जारी किए गए हैं,

जिससे छोटे बच्चों को सुबह की कड़ाकड़ाती ठंड से राहत मिलेगी। अभिभावकों और शिक्षकों ने इस फैसले का स्वागत किया है, क्योंकि घने कोहरे में सुबह जल्दी स्कूल जाना जोखिम भरा हो जाता है। जिलाधिकारी ने सभी स्कूल प्रबंधनों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।यह कदम बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उठाया गया है, ताकि ठंड जनित बीमारियों से उन्हें बचाया जा सके।

## ग्राम पंचायत में घटिया सामग्री लगाकर निर्माण कार्य करने पर सचिव, ग्राम प्रधान को नोटिस जारी

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने विकास खंड अमरोहा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत दौलतपुरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में चल रहे विकास कार्यों में गंभीर अनियमितताएं और घटिया गुणवत्ता का उपयोग सामने आया, जिससे अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण में पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्मित अतिरिक्त कक्षाओं में अभी तक खिड़कियां और दरवाजे नहीं लगाए गए हैं। साथ ही, कई जगहों पर फर्श बैठ चुका है, जो निर्माण की कमजोर नींव को दशार्ता है। ग्राम पंचायत के आरआरसी में अत्यंत घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। केंद्र का

दरवाजा निम्न गुणवत्ता का है, फर्श पूरी तरह बैठ गया है और प्रवेश मार्ग पर गोबर के उपले पड़े हुए थे, जो स्वच्छता की घोर उपेक्षा को इंगित करता है।इसके अलावा, फिल्टर चेंबर का कोई निकास नहीं बनाया गया है और उसके ऊपर कूड़े के ढेर लगे हुए थे। यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि सरकारी योजनाओं के धन के दुरुपयोग को भी उजागर करती है। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते हुए डीपीआरओ पारुल सिसोदिया ने ग्राम प्रधान और सचिव को तत्काल नोटिस जारी करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह निरीक्षण जिले में पंचायती राज संस्थाओं द्वारा संचालित विकास परियोजनाओं की निगरानी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय निवासियों ने अधिकारी के इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इससे अन्य ग्राम पंचायतों में भी सुधार आएगा। जिला प्रशासन अब इस मामले की गहन जांच कर आगे की कार्रवाई करेगा।

## जिला निर्वाचन अधिकारी एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों के साथ हुई बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गाँधी सभागार कलेक्ट्रेट, अमरोहा में बैठक आयोजित की गयी जिसमें राजनैतिक दलों को असंग्रहित गणना प्रपत्रों के बारे में अवगत कराया गया तथा समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के अध्यक्ष / प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि आपकी कोई भी अपेक्षा हो तो बता सकते हैं तथा बताया गया कि जिसका नाम मतदाता सूची में नहीं है व उसकी आयु 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु हो रही है, उसका फार्म-6 भरकर उसका नाम सम्मिलित किया जा सकता है और आग्रह किया कि

बी०एल०ओ० का सहयोग करने के लिए अपने-अपने बी०एल०ए० को निर्देशित करने का कष्ट करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों ने जिला कार्यक्रम अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

## जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मांग की महेश कुमार को तत्काल पद से हटाया जाए

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों ने जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) महेश कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। कार्यकर्त्रियों ने मांग की है कि महेश कुमार को तत्काल पद से हटाया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि महेश कुमार मीटिंग के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वे धमकी भरे अंदाज में कहते हैं खाल में भूसा भर दूंगा,तुम गद्दार मां हो और कुछ बोलने पर सेवा समाप्त करने या एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री सोमवती ने बताया कि महेश कुमार ने मातृ समिति के खाते में पैसा भेजने की बजाय सीधे कार्यकर्त्रियों के खाते में ट्रांसफर किया और फिर उनसे प्रति

केंद्र 1500 रुपये की वसूली की। इसके अलावा, महेश कुमार और जांच समिति की अधिकारी रचना यादव कार्यकर्त्रियों पर चावल वितरण न करने और खुद खा जाने का आरोप लगाते हैं, जबकि शासन के आदेशानुसार चावल का वितरण राशन डीलर करते हैं। कार्यकर्त्रियां केवल लाभार्थियों के नाम की पर्ची डीलर को देती हैं। शिकायत में आगे कहा गया है कि वर्ष 2024 में बाल विकास परियोजना बिलारी (मुरादाबाद) से स्थानांतरित होकर बनियाखेड़ा (सम्भल) आई 88 आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्त्रियों का फरवरी से अप्रैल 2024 तक का मानदेय सीडीपीओ रचना यादव ने पोर्टल से रोक दिया था। बाद में रचना यादव ने बताया कि डीपीओ महेश कुमार मानदेय जारी करने के लिए पैसा मांग रहे हैं। इसके बाद कार्यकर्त्रियों ने 500 रुपये प्रत्येक और सहायिकाओं ने 250 रुपये देकर कुल राशि एकत्र की, जिसके बाद मानदेय जारी हुआ। प्रार्थी कार्यकर्त्रियों ने जिलाधिकारी से अपील की है कि महेश कुमार को कार्यवाहक डीपीओ के पद से हटाकर दूसरे अधिकारी की नियुक्ति की जाए और आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाए। दूसरी ओर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे आरोप पहले भी कई बार लगाए गए हैं, लेकिन जांच में कोई साक्ष्य नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ये लोग ऐसे अधिकारी चाहते हैं जो उनके हिसाब से काम करे और गड़बड़ियों पर कुछ न बोले।

# स्कूली बच्चों को शपथ दिलाकर बाल विवाह को रोकने का किया गया आहवान

## जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन ने चलाया अभियान

**संभल(सब का सपना):-** बाल अपराधों की रोकथाम और बाल विवाह एंव बाल मजदूरी व बाल तस्करी को रोकने के लिए लगातार जनपद सम्भल में जागकरूता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रयत्न संस्था के संयुक्त तत्वाधान में जनपद मे लगातार अलग-अलग स्थानो पर जागरूकता कार्यक्रम चलाकर बाल अपराध मुक्त भारत एवं बाल अपराध मुक्त जनपद सम्भल बनाने के लिए स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी कड़ी मे जिला प्रोवेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देशन में बृहस्पतिवार को असलमपुर, लहरा कमंगर के उच्च प्राथमिक व प्राथमिक विद्यालयों में स्कूली बच्चों को शपथ दिलाकर बाल विवाह को रोकने का आहवान किया गया। साथ ही अन्य लोगों को भी इस बाल अपराध के खिलाफ जागरूक किया गया। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को बाल अपराधों

के विषय में जानकारी देते हुए बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई और बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल विवाह की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर देनी है। जिससे की 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस अवसर पर फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद विद्यालय के इंचार्ज निजामुद्दीन ,मुसर्रत जहां, शाहरुख, अकीउल्लाह खा, सपना, आगनवाड़ी आवादेवी, नीरू, सरला देवी, मुमताज बेगम, सुनीता देवी, मरियम ,सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

# बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न, बाल श्रम और बाल विवाह पर चर्चा

**संभल (सब का सपना):-** जिलाधिकारी के निदेशों पर बनियाखेड़ा विकास खंड सभागार में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक खंड विकास अधिकारी ज्योत्सना त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बच्चों को सुरक्षित और सशक्त संरक्षणात्मक वातावरण प्रदान करने, पालन-पोषण, बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह, परिवार की देखभाल, हिंसा एवं दुर्व्यवहार से बचाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी हेमंत शर्मा ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम

2015 तथा बाल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के सहयोग से इन योजनाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं बालिकाओं के हित में संचालित योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना आदि पर प्रकाश डाला। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह रोकथाम और आपात स्थिति में उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों–1098 (चाइल्डलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी) तथा 1076 (सार्वजनिक सेवाएं) के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। सहायक विकास अधिकारी नीरज कुमार ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर आयोजित बैठकों में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, पुलिस विभाग से एसआई मदनमोहन शर्मा, बाल कल्याण समिति के सदस्य नीलम राय, राजकुमार, विकास कुमार, पवन सिंह, दिनेश सहित अन्य अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न, बाल श्रम और बाल विवाह पर चर्चा

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के तहसील चंदौसी के ग्राम रामगढ़ में ग्राम सभा की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर एक शिकायती पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 744 (0.097 हेक्टेयर खलियान) और 744क (0.041 हेक्टेयर आबादी) की सरकारी भूमि पर गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है। शिकायत में नामजद आरोपियों में अली बहादुर, अली मौहम्मद (दोनों पुत्र मिट्ठू), रामकली (पत्नी स्वर्गीय मेवाराम), गेंदनलाल (पुत्र हेतराम), सोमवती (पत्नी रामचरन) सहित कई अन्य लोग शामिल हैं। शिकायतकर्ता

का दावा है कि इनके खिलाफ तहसीलदार चंदौसी के द्वारा धारा-67 के तहत कार्यवाही हो चुकी है, लेकिन पूर्व चकबंदी अधिकारी धीरेंद्र सिंह (जो उस समय तहसीलदार चंदौसी थे) ने कथित तौर पर अवैध कब्जेदारों से सुविधा शुल्क लेकर मामला अपर जिलाधिकारी के यहां विचाराधीन दिखाकर स्टे करा दिया। शिकायत में आगे कहा गया है कि फर्जी पट्टों के संबंध में अपर जिलाधिकारी संभल और मंडलायुक्त मुरादाबाद की अदालत ने 4 नवंबर 2025 को वाद निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद स्टे नहीं हटाया गया और न ही जुमार्ना वसूली या बेदखली की कार्रवाई हुई। इससे अवैध कब्जेदारों के हौसले बुलंद हैं।

शिकायत करता का आरोप यह भी है कि इसी खलियान की सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने 'सकलैनी मस्जिद' नाम देकर सामूहिक नमाज शुरू करने की कोशिश की थी। शिकायत पर नमाज की प्रक्रिया को मौके पर रोक दिया गया, लेकिन अवैध कब्जा अब तक नहीं हटाया गया। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से दोषियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई और भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है।

# मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान

**सम्भल (सब का सपना):-** सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के तहत जनपद सम्भल पुलिस ने व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में एंटी रोमियो टीमों ने प्रमुख बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सक्रियता दिखाई।मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर बालिकाओं एवं महिलाओं को उनकी समस्याओं के

त्वरित निस्तारण के बारे में जागरूक किया। साथ ही, महिलाओं को सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया गया। अभियान के दौरान पंपलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी इसके अलावा, सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों एवं सरकार द्वारा प्रदान किए गए मिशन शक्ति नंबरों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। पुलिस टीमों ने शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की। मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 नारी शक्ति का नया आयाम है, जिसके माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर एवं सुरक्षित बनाने का संकल्प लिया गया है। यह अभियान प्रदेश भर में चल रहा है और सम्भल पुलिस इसे प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

# सुहानी राम्या का शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

**सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):-** नगर पंचायत निवासी मनोज गुप्ता की बेटी सुहानी राम्या ने राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में आयोजित 10 मीटर एयर पिस्टल चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। जिसके आधार पर उनका टीम इंडिया के ट्रायल के लिए चयन हुआ है। बता दें कि सुहानी पहले क्षेत्रीय मैच एवं यूनिवर्सिटी मैच में स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी है। गुरुजनों

,परिवार की मेहनत एवं स्वयं की लगन के चलते सुहानी ने यह मकाम हासिल किया है। सुहानी के साथ ही सिमरन , दीक्षा , आराध्या ने भी राष्ट्रीय स्तर पर कामयाबी हासिल की। कोच नरेंद्र चौधरी का मानना है कि स्वयं की मेहनत एवं लगन के चलते हम किसी भी मकाम को हासिल कर सकते हैं। उनकी सफलता से घर परिवार व नगर मे हर्ष का माहौल है।

# सट्टे की खाईबाड़ी करने वाला युवक गिरफ्तार, नकदी समेत पर्चियां बरामद

**संभल(सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद संभल में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रायसत्ती पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बुधवार को पुलिस टीम ने एक सट्टे की खाईबाड़ी करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जाबिर पुत्र साबिर, के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे हिन्दूपुरा खेड़ा से होली सिफा स्कूल जाने वाले रास्ते के किनारे नई प्लॉटिंग क्षेत्र से पकड़ा। अभियुक्त के कब्जे से 1770 रुपये नकद, 8 सट्टा पर्चियां, एक डायरी और एक पेन बरामद किया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना रायसत्ती में जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में जिले में अवैध सट्टेबाजी और जुआ जैसी गतिविधियों पर सख्ती से नकेल कसी जा रही है, जिससे अपराधियों में दहशत का माहौल है।

# परिवहन आयुक्त के निर्देश पर नवनिर्मित ARTO कार्यालय का निरीक्षण, घने कोहरे में सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर

**संभल (सब का सपना):-** परिवहन आयुक्त किंजल सिंह के शीतकालीन भ्रमण संबंधी निदेशों के क्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), मुरादाबाद राजेश कुमार सिंह ने उप संभागीय परिवहन कार्यालय (ARTO) संभल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और सड़क सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। राजेश कुमार सिंह ने कार्यालय पहुंचकर सबसे पहले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति जांच की। इसके बाद बकाया वाहनों को नोटिस एवं वसूली पत्र भेजने तथा लंबे समय से थानों में निरुद्ध वाहनों की नीलामी की कार्रवाई शीघ्र पूरा

करने के सख्त निर्देश दिए। शीत ऋतु को ध्यान में रखते हुए विशेष अभियान चलाने के आदेश दिए गए। इनमें ओवरस्पीडिंग रोकना, घने कोहरे में वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाना, फॉग लाइट का अनिवार्य उपयोग, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करना तथा शराब पीकर वाहन न चलाने जैसे नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया। जनता को जागरूक करने के साथ-साथ उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अधिक से अधिक प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में कार्यालय भवन की साफ-सफाई, पत्रावलियों के रख-रखाव तथा स्थापित पटलों की स्थिति का अवलोकन किया गया। उपस्थित आवेदकों से उनके आवेदनों के निस्तारण की स्थिति जानी गई। इसके अलावा, राजेश कुमार सिंह ने किसौली में निमार्णाधीन सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय (ARTO) भवन का भी निरीक्षण किया। वहां निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पाया गया। इस संबंध में उन्होंने उच्च स्तर पर पत्राचार करने की बात कही, ताकि कार्य शीघ्र शुरू हो सके।

# केनरा बैंक के सीवीआरसेटी बहजोई केंद्र में 138 युवाओं को मिल रहा नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण

## संस्थान ने प्रशिक्षुओं को दी वित्तीय साक्षरता एवम खोले जन-धन खाते

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सीवीआरसेटी) के बहजोई केंद्र में वर्तमान में चार बैचों के जरिए कुल 138 प्रशिक्षुओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इन बैचों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग और उद्यमिता विकास के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। संस्थान द्वारा प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यवसाय शुरू करने और बैंकिंग प्रक्रियाओं को समझने के लिए विशेष वित्तीय साक्षरता सत्र भी आयोजित किए गए। इस क्रम में केनरा बैंक अंकोर कंबोज के अधिकारी राहुल देव ने प्रशिक्षार्थियों को बैंकिंग कार्यप्रणाली, लोन उत्पादों और विभिन्न योजनाओं की विस्तृत

जानकारी प्रदान की। संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि सीवीआरसेटी न केवल कौशल प्रशिक्षण देता है, बल्कि प्रशिक्षुओं को बैंकिंग सहायता भी उपलब्ध कराता है। संस्थान की मदद से प्रशिक्षुओं के प्रधानमंत्री जन-धन योजना के खाते खोले गए तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में उनका पंजीकरण कराया गया। अब तक संस्थान से 1300 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न कोर्स पूरा कर स्वयं का रोजगार शुरू कर चुके हैं या विभिन्न संस्थानों में नौकरी कर रहे हैं। आगामी बैचों में आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री तथा बीसी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट) प्रशिक्षण कोर्स शुरू होने वाले हैं। इच्छुक युवा प्रवेश के लिए संस्थान कार्यालय बहजोई में संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर कार्यालय सहायक सुजीत सिंह एवं रणवीर सिंह भी उपस्थित रहे। यह पहल ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बेरोजगारी दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

# दस दिन भी नहीं टिकी संभल-मुरादाबाद की नई सड़क, फिर दिखने लगे गड्ढे

**संभल(सब का सपना):-** दो जिलों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा मात्र 10 दिन पहले ही किया गया सड़क निर्माण कार्य अब जर्जर हो गया है। सड़क की ऊपरी परतें उखड़ने से मार्ग पर फिर से गड्ढे दिखाई देने लगे हैं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बीते दिनों हुई बारिश के बाद यह संपर्क मार्ग पूरी तरह खराब हो गया था और गड्ढों से भर गया था। इस कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे थे। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद पीडब्ल्यूडी ने पिछले माह यहां मरम्मत कार्य शुरू कराया था। लेकिन कार्य में बड़ी लापरवाही बरती गई।

सड़क के किनारों की ठीक से मरम्मत नहीं की गई और गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजतन, नई बनी सड़क महज दस दिनों में ही पुरानी जर्जर स्थिति में पहुंच गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और ठेकेदारों ने सड़क निर्माण में भारी धांधली की है। घटिया सामग्री का इस्तेमाल और मानकों की अनदेखी के कारण सड़क इतनी जल्दी खराब हो गई। इससे न केवल जनता का पैसा बर्बाद हुआ, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, सड़क की जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराई।

## कागजों में 60 फुट चौड़ी सड़क, वाहन चालकों के लिए बन गई संकरी गली; सामने आई बड़ी लापरवाही

**पश्चिमी दिल्ली।** पश्चिमी दिल्ली में द्वारका जिले के सबसे व्यस्त व्यापारिक केंद्रों में से एक, राम चौक बाजार मुख्य मार्ग, पालम आज प्रशासन की अनदेखी के कारण अपनी पहचान खो रहा है। कभी 60 फुट से अधिक चौड़ी रही यह सड़क आज टूटी हुई हालत, जगह-जगह बिखरे कूड़े और बेतहाशा अतिक्रमण के कारण यह सड़क उपयोग के लिए एक संकरी गली में तब्दील हो गई है। आलम यह है कि शाम के समय यहां पैदल निकलना भी किसी जंग जीतने जैसा है। राम चौक बाजार में रोजाना हजारों लोगों की आवाजाही होती है। पालम, साध नगर और राज नगर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग अब अवैध व्यावसायिक वाहनों का स्थायी अड्डा बन चुका है। सड़क के एक बड़े हिस्से पर कमर्शियल गाड़ियां चौबीसों घंटे खड़ी रहती हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई आधी रह जाती है। शाम होते ही स्थिति और भयावह हो जाती है; एक तरफ अवैध पार्किंग का कब्जा होता है, तो दूसरी तरफ रेहड़ी-पटरी वालों का जमावड़ा लग जाता है। ई-रिक्शा और जाम जो थोड़ी बहुत जगह बचती है, उस पर ई-रिक्शा चालकों का कब्जा हो जाता है। शाम के समय स्थिति ऐसी होती है कि कार तो दूर, स्कूटी और बाइक का निकलना भी दूभर हो जाता है। व्यावसायिक वाहनों और रेहड़ी वालों के बीच फंसी जनता जाम में जूझने को मजबूर है। इसके बावजूद न तो स्थानीय पुलिस, न ट्रैफिक पुलिस और न ही नगर निगम के अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे हैं। हजारों दुकानों और लाखों की आबादी वाले इस क्षेत्र में जगह जगह सड़कों के किनारे पड़ा कूड़ा न केवल बदबू फैला रहा है, बल्कि बीमारियों को भी न्योता दे रहा है। यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया और सड़कों की मरम्मत नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है। सड़क पर अतिक्रमण और गंदगी ने जीना मुहाल कर दिया है। प्रशासन की चुप्पी समझ से परे है, पैदल चलना भी अब खतरनाक हो गया है। - शिव, स्थानीय निवासी 60 फुट की सड़क पर ई-रिक्शा और अवैध पार्किंग का कब्जा है। घंटों जाम लगा रहता है, लेकिन कोई अधिकारी सुध लेने नहीं आता। - प्रकाश, स्थानीय निवासी

## मंडोली जेल में कैदी ने फांसी लगाकर दी जान, संतोष कमल ने गमछे से लगाई फांसी

**पूर्वी दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के मंडोली जेल में मंगलवार रात को एक कैदी ने गमछे से शौचालय में लटककर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान संतोष कमल के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीटीबी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। वह हत्या के प्रयास के केस में जेल में बंद था। पुलिस ने बताया कि संतोष चार साल से मंडोली की जेल संख्या 13 में बंद था। बुधवार जेल प्रशासन ने फोन करके संतोष कमल के मौत की सूचना स्वजन को दी। परिवार ने कहा कि 18 दिसंबर को संतोष के मुकदमे को लेकर अदालत में सुनवाई थी। उसकी मौत से परिवार सकते में है।

## दिल्ली में यमुना की सफाई की नई डेडलाइन तय, चकाचक होंगी राजधानी की 450 केएम सड़कें

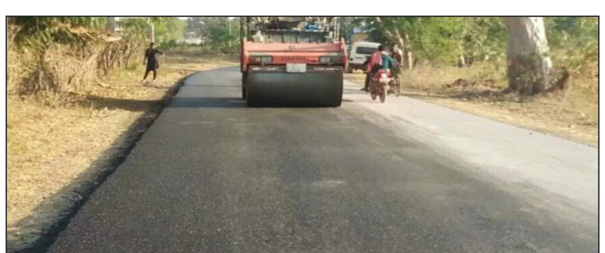

**नई दिल्ली।** यमुना को साफ करने की दिल्ली सरकार ने अब नई डेडलाइन दे दी है। अब 2029 तक यमुना को स्वच्छ कर दिया जाएगा। दिल्ली सरकार ने इस तरह का दावा प्रेस वार्ता कर किया है। जल और लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि जनता ने 5 साल के लिए उनकी सरकार को चुना है, लोग थोड़ा इंतजार करें, सभी मुद्दों पर काम हो रहा है, एक दो साल के हिसाब से नहीं, पिछले 40, 50 साल की प्लानिंग को लेकर दिल्ली में काम हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2029 तक यमुना को साफ कर दिया जाएगा। प्रदूषण भी धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सड़कों से लेकर विभिन्न मुद्दों पर बात रखते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पहले स्वयं व्यवस्थाएं सुधारने के लिए काम कर रही है, वहीं जनता से भी अपील की है कि सरकार की सलाह को भी वह नजरअंदाज ना करें। मगर उससे पहले वह अपनी व्यवस्थाएं सुधारने पर बात करेंगे। इसके साथ ही सड़कों का निर्माण को लेकर भी साफ किया कि कोई भी प्रमुख सड़क बनाने से पहले सभी एजेंसियों को पत्र लिखकर उनकी योजनाओं के बारे में जानकारी मांगी जाएगी। अगर किसी एजेंसी ने जानकारी नहीं दी और छह महीने बाद सड़क को खोदने आए तो उन्हें अनुमति नहीं दी जाएगी। सड़क बार-बार नहीं खोदने देंगे इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मार्च तक दिल्ली की 450 किलोमीटर सड़कों को नया बना दिया जाएगा, इसके बाद नवंबर 2026 तक दिल्ली की कुल मिलाकर 1000 किलोमीटर सड़क बन चुकी होगी। इसके लिए दिल्ली सरकार ने कार्य योजना तैयार कर दी है।

## 16 करोड़ के निवेश घोटाले का पदार्फाश, दिल्ली पुलिस ने शौकत अली समेत 9 को किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस (वेस्ट जिला) ने एक अंतर्राज्यीय साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए देशभर से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया पर भारी मुनाफे का लालच देकर 16 करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। पुलिस ने केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, यूपी और दिल्ली में छापामारी कर शौकत अली, अदनान रजा और देवेंद्र पांडे समेत नौ लोगों को पकड़ा है। जांच में सामने आया कि इस गिरोह के तार दुबई से जुड़े हैं। आरोपी फर्जी बैंक खाते खुलवाकर ठगी की रकम को कई लेयर्स में घुमाते थे ताकि पकड़े न जा सकें। डीसीपी वेस्ट के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल की 286 शिकायतें सीधे तौर पर इन खातों से जुड़ी मिली हैं। पुलिस ने इनके पास से 11 मोबाइल, सिम कार्ड और कई चेकबुक बरामद की हैं। गिरोह का शिकार बने एक व्यक्ति की 21 लाख रुपये की शिकायत के बाद यह बड़ी कार्रवाई हुई।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

### अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर जनपद की 30 आशाओं के निष्कासन की गई संस्तुति

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत पूर्व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के बिन्दुओं पर क्या अनुपालन हुआ उस पर चर्चा की गयी। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफआरयू,तथा एचएमआईएस पोर्टल पर एएनसी जांच, प्रसव तथा टीकाकरण, आरसीएच फीडिंग, सीएचओ द्वारा ई संजीवनी ओपीडी स्थिति विकास खण्ड वार पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी सीएचओ का प्रतिदिन औसत 10 से कम आता है तो उन पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। आभा आईडी को लेकर भी चर्चा की गयी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आभा आईडी की प्रगति बढाने के लिए एक अभियान चलाया जाए तथा प्रत्येक आशा का प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। ई कवच पर आभा आईडी तथा ई कवच पर सैम बच्चों

को लेकर भी चर्चा की गयी। एचबीएनसी को लेकर भी चर्चा की गयी तथा रिपोर्टिंग के गैप को खत्म करने तथा जिम्मेदार आशाओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एनक्यूएएस के अन्तर्गत आने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में निर्माण कार्यों एवं अन्य मानकों को लेकर खण्ड विकास अधिकारियों के साथ चर्चा की एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को इसको प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। वीएचएसएनडी सत्र, आशा कलस्टर मीटिंग, वैक्सीन अपडेशन, जीरो वैक्सीनेशन पर भी चर्चा की गयी प्रस्तुति जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजीव राठौर द्वारा की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जनपद संभल की मासिक समीक्षा बैठक में अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर जनपद की 30 आशाओं के निष्कासन की संस्तुति की गयी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजफर कमाल एवं समस्त एमओआईसी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## बिना नंबर प्लेट की स्कूटी से करते थे रेकी, मास्टर चाबी से करते थे घरों में चोरी; पुलिस ने दो बदमाश किए गिरफ्तार

**पश्चिमी दिल्ली।** पश्चिमी दिल्ली में द्वारका जिले के थाना छावला की पुलिस टीम ने घरों और दुकानों को निशाना बनाने वाले एक ऐसे शातिर चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पहचान छिपाने के लिए बिना नंबर प्लेट की स्कूटी का इस्तेमाल करता था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों, वरुण और नितेश को गिरफ्तार किया है, जो बंद घरों की रेकी करने के बाद मास्टर चाबियों और विशेष औजारों से सेंधमारी करते थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि ये चोर बेहद योजनाबद्ध तरीके से वारदातों को अंजाम देते थे। वे अपनी स्कूटी की नंबर प्लेट हटा देते थे ताकि सीसीटीवी कैमरों में उनकी पहचान और वाहन का नंबर न आ सके। यह गिरोह मुख्य

रूप से देर रात को उन घरों या दुकानों को निशाना बनाता था जहां लोग सो रहे होते थे या घर बंद होते थे। वे अपने साथ घर तोड़ने के आधुनिक औजार और मास्टर चाबियां रखते थे, जिससे वे चंद मिनटों में ताले तोड़कर या खोलकर भीतर दाखिल हो जाते थे। चोरी के दौरान वे खास कपड़ों का इस्तेमाल करते थे ताकि भागते समय उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाए। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 29 नवंबर को दर्ज हुई चोरी की एफआईआर को सुलझाना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई थी। चूंकि स्कूटी पर नंबर नहीं था, इसलिए टीम ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और स्थानीय मुखबिरों की मदद से इन चोरों के भागने के रास्ते का पीछा किया और अंततः उन्हें जय विहार इलाके से ट्रैक करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के पास से चुराए हुए 2,45,770 नकद, 220 ग्राम सोना, 615 ग्राम चांदी, 3 एलईडी टीवी और 2 लैपटॉप बरामद किए हैं। आरोपी वरुण और नितेश पहले भी रनहोला थाने में हत्या के प्रयास और मारपीट जैसे गंभीर मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से छावला क्षेत्र में हुई चोरी और सेंधमारी के 6 बड़े मामले सुलझाने का दावा किया है।

## पीयूसी सर्टिफिकेट बना सिरदर्द, पेट्रोल पंपों पर अफरा-तफरी जैसा माहौल; दिल्ली में नए नियम का कहां-कहां दिखा असर

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) द्वारा ग्रेप-4 की पाबंदियां लागू की गईं। ग्रेप-4 लगने के बाद भी प्रदूषण का स्तर काम नहीं हुआ तो दिल्ली सरकार ने कई कड़े कदम उठाए। दिल्ली सरकार ने आज यानी गुरुवार (18 दिसंबर) से बी एस -6 के अलावा सभी बीएस-3 और बीएस-4 बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी। साथ ही बिना पीयूसी सर्टिफिकेट (पोल्यूशन अंडर कंट्रोल, प्रदूषण नियंत्रण में) के पेट्रोल पंप संचालकों को फ्यूल नहीं देने के निर्देश दिए। वहीं, आज सुबह से ही राजधानी के पेट्रोल पंपों पर अफरा-तफरी जैसा माहौल बना हुआ है। क्योंकि बिना पीयूसी वाले वाहनों को फ्यूल नहीं दिया जा रहा है। दक्षिणी

दिल्ली में सरिता विहार अपोलो के सामने एचपी पेट्रोल पंप पर पॉल्यूशन सर्टिफिकेट देखकर ही ईंधन दिया जा रहा। जिनके पास सर्टिफिकेट नहीं था, उन्हें ईंधन नहीं दिया गया। पीयूसी सर्टिफिकेट बनवाने के बाद ही फ्यूल दिया गया। इस दौरान मौके पर ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के कर्मी भी तैनात रहे। दक्षिणी दिल्ली में मां आनंदमयी मार्ग स्थित पेट्रोल पंप पर स्कैनर काम ही नहीं कर रहा। स्थानीय पुलिस और डीटीसी कर्मचारी को तैनात किया गया है। लोग स्वेच्छा से पीयूसी बनवाने के बाद ही पेट्रोल ले रहे हैं। बाहरी दिल्ली में नरेला स्थित रामलीला ग्राउंड के पास पेट्रोल पंप पर दिल्ली पुलिस के जवान और ट्रांसपोर्ट विभाग के कर्मचारी पीयूसी सर्टिफिकेट चेक करके ही पेट्रोल पंप के अंदर एंट्री दे रहे हैं। जिनके पास नहीं है, उन्हें वापस लौटाया जा रहा है। वहीं, पंप स्थित पीयूसी केंद्र पर वाहनों की लाइन लगी है। काफी संख्या में लोग प्रदूषण की जांच करा रहे हैं। वैशाली सेक्टर-4 के प्रदूषण जांच केंद्र पर वाहनों की लंबी लाइन लगी है।

20 मिनट तक सर्वर डाउन होने से प्रदूषण जांच केंद्र पर अफरा-तफरी जैसे माहौल पैदा हो गए। बताया गया कि सर्वर स्लो चल रहा है। उधर, यूपी गेट पर दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा वाहनों के पीयूसी की जांच करके ही आगे की ओर भेजा जा रहा है। जिन वाहन चालकों के पास पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं है, उन्हें वापस भेजा जा रहा है।

## एएपी का सरकार पर वार: दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में बीजेपी सरकार नाकाम, सिरसा पर लगाया झूठ बोलने का आरोप

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए सख्ती के दावे कर सवाल उठाया है। आप की दिल्ली इकाई ने त्रिलोकपुरी में सड़क के किनारे जल रहे कूड़े की एक वीडियो को एक्स पर साझा कर आरोप लगाया है कि प्रदूषण को लेकर की भाजपा सरकार आंखें बंद करके बैठी हुई है और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा हवा हवाई बयान दे रहे हैं। आप ने कहा है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने को लेकर भाजपा सरकार का सख्त कार्रवाई का दावा सिर्फ दिखावा है। कहा है कि ग्रेप-चार लागू होने के बाद भी दिल्ली में जगह जगह कूड़ा जल रहा है और निर्माण कार्य भी

जारी है। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि ग्रेप-चार लागू होने के बाद भी पुष्पांजलि फार्म में चल रहे निर्माण कार्य चल रहा है और अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कचरा जलाने के आरोप पर आप का जवाब पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा द्वारा अपने पार्षद पर कचरा जलाने का आरोप लगाने पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया है। आप ने सिरसा पर झूठ बोलने और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। आप ने कहा है कि जिस दिन से वह पर्यावरण मंत्री बने हैं, तब से वह एक्यूआई रीडिंग में धोखाधड़ी कर रहे हैं। वह एक्यूआई मानिटरिंग सिस्टम बंद करके एक्यूआई रीडिंग में हेरफेर कर रहे हैं। आप ने कहा है कि सिरसा का यह एक और झूठ है। आप ने सिरसा से अनुरोध किया है कि अगर उनके पास ऐसा कोई सबूत है तो एफआइआइ दर्ज कराएं।

## समालखा में फॉर्म हाउस के अंदर चल रही थी नकली दवा बनाने की फैक्ट्री, मालिक गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवा बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर फैक्ट्री मालिक को गिरफ्तार किया है। यह फैक्ट्री समालखा में एक फार्म हाउस के अंदर चल रही थी। वहां नकली बेटनोवेट क्रीम बनाया जा रहा था। पुलिस का दावा है कि वहां चार पांच साल से नकली दवा बनाई जा रही थी। इसकी आपूर्ति दिल्ली एनसीआर के दवा विक्रेताओं को की जाती थी। फैक्ट्री में छापा मार भारी मात्रा में दवाई बरामद की गई है, साथ ही दवाई बनाने की मशीनें और राव मेटेरियल भी बरामद किया गया है। कुछ साल भी क्राइम ब्रांच ने बेटनोवेट बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। उस समय बेटनोवेट ट्यूब नहीं मिली थी। पुलिस ने कुछ और लोगों को हिरासत में लिया है जिससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

## प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिल्ली में नए नियम लागू, ताजा पाबंदियों से किसे मिली छूट?

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी में बढ़े वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए गुरुवार (18 दिसंबर) से सख्त नियम लागू किए गए हैं। अब बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) की गाड़ियों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं मिलेगा। इसके साथ ही राजधानी से बाहर पंजीकृत गैर बीएस छह मानक वाली गाड़ियों को भी दिल्ली में एंट्री नहीं मिलेगी। इसके अलावा सभी प्राइवेट और सरकारी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम देना होगा। इसके अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की ओर से लागू ग्रेप-4 के प्रतिबंध लागू रहेंगे। पाबंदियों से किसे मिली छूट? दिल्ली सरकार द्वारा लागू इन पाबंदियों का इमरजेंसी सेवाओं और जरूरी कामों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि ग्रेप-4 के तहत सख्त प्रतिबंधों के बावजूद कुछ छूट दी गई हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, दिल्ली सरकार ने एम्बुलेंस, फायर टेंडर और दूसरी इमरजेंसी में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों को इन पाबंदियों से छूट दी है। बुध विहार के पेट्रोल पंप पर बने प्रदूषण जांच केंद्र पर पीयूसी के लिए इंतजार करते वाहन चालक। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने आधिकारिक नोटिस जारी कर कहा, "पेट्रोल या सीएनजी से चलने वाली एम्बुलेंस, फायर टेंडर, पुलिस गाड़ियां और दूसरी इमरजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट बिना किसी रुकावट के काम करती रहेंगी, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सार्वजनिक सुरक्षा और मेडिकल सेवाओं पर इन प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े।" इमरजेंसी गाड़ियां जैसे एम्बुलेंस, फायर टेंडर और फ्रंटलाइन वर्कर्स, जिनमें अस्पतालों में काम करने वाले, वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में शामिल विभाग, फायर डिपार्टमेंट और दूसरी जरूरी सेवाओं में काम करने वाले लोग शामिल हैं, उन्हें वर्क फ्रॉम होम के आदेश से छूट रहेगी। ग्रेप-4 के बीच दिल्ली में नए नियम मालूम हो कि राजधानी में लगातार तीन दिनों तक हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज होने के बाद कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने दिल्ली-एनसीआर में 13 दिसंबर से ग्रेप- 4 की पाबंदियां लागू की, लेकिन दिल्ली सरकार द्वारा लगाए गए मौजूदा प्रतिबंध ग्रेप की पाबंदियों के अतिरिक्त हैं। ग्रेप-4 के प्रतिबंध के अलावा सभी दफ्तरों को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे।इसके अलावा, दिल्ली सरकार ने बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (ढवउउ) के वाहनों पर 'नो फ्यूल' नियम भी लागू किया है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गुरुवार सुबह सात बजे दिल्ला का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 334 दर्ज किया गया, जिसे हवा की 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा गया है।

## एनजीटी ने इस मामले में एमसीडी से मांगा जवाब, अब 26 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

**नई दिल्ली।** दिल्ली में राजौरी गार्डन स्थित हरभगवान अरोड़ा मार्ग के एक सार्वजनिक पार्क में स्थापित कूड़ा घर से जुड़ी शिकायत का संज्ञान लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से जवाब मांगा है। एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले पर एनजीटी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही एनजीटी ने अगली सुनवाई से पहले सुधारात्मक कदम उठाने और उनका विवरण जवाब में पेश करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 26 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है। आवेदनकर्ता व वरिष्ठ नागरिक संजीव नैयर ने आरोप लगाया कि स्वीकृत लेआउट प्लान के अनुसार पार्क के लिए निर्धारित भूमि पर कूड़ा संग्रह केंद्र स्थापित किया गया है। यह भी कहा गया कि कूड़ा घर में बच्चों से कचरे की छंटाई कराई जा रही है व कचरा एकत्र करने वाले रिक्शा सड़क पर अतिक्रमण कर रहे हैं। यह भी कहा कि कूड़ा घर से निकलने वाली दुर्गंध से आसपास के निवासियों व आवेदनकर्ता के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

# दिल्ली के नांगलोई में नकली कैस्ट्रोल तेल फैक्ट्री का पदार्फाश, एक गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली लुब्रिकेंट रैकेट पर कार्रवाई करते हुए नांगलोई में नकली कैस्ट्रोल तेल बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ कर एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। फैक्ट्री पर छापा मार पुलिस ने 3,950 लीटर से ज्यादा कच्चा और नकली लुब्रिकेंट तेल, 12,000 खाली कैस्ट्रोल बोतलें, बाल्टियां और मशीनरी सामान बरामद किया है। फैक्ट्री से पैकेजिंग सामग्री और एक करोड़ रुपये से ज्यदा के प्रोडक्ट जब्त किए गए हैं। यहां कैस्ट्रोल लुब्रिकेंट तेल और उसकी प्रोडक्ट लाइन की ब्रांड पहचान का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था, जिससे ट्रेडमार्क और कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन हो रहा था। डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम संदीप है। वह नांगलोई का रहने वाला है यह आपरेशन मेसर्स कैस्ट्रोल लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि से मिली जानकारी के आधार पर शुरू किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग अवैध रूप से कैस्ट्रोल लुब्रिकेंट आयल, लेबल, पैकेजिंग बना रहे हैं और ऐसे प्रोडक्ट ट्रांसपोर्ट कर रहे थे जो कैस्ट्रोल ब्रांड की हूबहू नकल थे। नकली कैस्ट्रोल लुब्रिकेंट आयल को उपभोक्ताओं को गुमराह

करने और असली कंपनी को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के इरादे से कई राज्यों में बांटा जा रहा था। एसीपी रमेश चंद्र लांबा व इंस्पेक्टर शिवराज सिंह बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नांगलोई के कमरुद्दीन नगर में छापा मार वहां बड़े पैमाने पर नकली लुब्रिकेटिंग आयल बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ किया। फैक्ट्री से 3600 लीटर कच्चा लुब्रिकेंट तेल, 370 लीटर नकली कैस्ट्रोल तेल, 11,377 अलग-अलग साइज की खाली बोतलें, 25 किलो नकली लेबल,. सीलिंग मशीनें, 41 किलो पैकिंग मैटेरियल, 1.5 किलो रंगने वाले केमिकल, 464 खाली कैस्ट्रोल बाल्टी बरामद किए गए। जांच में पता चला कि आरोपित कम कीमत वाला लुब्रिकेंट तेल खरीदकर उसे असली कैस्ट्रोल लुब्रिकेंट तेल जैसा दिखाने के लिए रंगने वाले केमिकल, लेबल और पैकेजिंग का इस्तेमाल करके रीब्रांड करता था। नकली लुब्रिकेंट तेल दूसरे राज्यों में खरीदारों को बेचा जाता था, ज्यादातर लेन देन कैश में किया जाता था। उसी इलाके में एक दूसरी जगह पर भी छापा मार वहां से खाली ड्रम और बोतलें बरामद हुईं।

पूछताछ के दौरान, आरोपित ने अंतरराज्यीय नकली सप्लाई चेन का खुलासा किया, जिसमें स्थानीय रूप से कच्चा तेल, नकली लेबल सोर्स किए जाते थे और नकली कैस्ट्रोल तेल दूसरे राज्यों में आपूर्ति की जाती थी। जांच में पता चला कि आरोपित पहले भी नांगलोई और मुंडका में दर्ज दो ऐसे ही मामलों में शामिल था, जो एक ही तरह के और संगठित तरीके से काम करने का संकेत देता है। संदीप मूलरूप से हरियाणा के जींद जिले का रहने वाला है।

# सीएम ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर पेश किया सरकारी प्रस्ताव

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आज एक ऐतिहासिक पल आया जब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित एक सरकारी प्रस्ताव सदन के सम्मुख रखा। इस भावुक और गरिमामयी प्रस्ताव को पूरे सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर गुरु साहिब के बलिदान को नमन किया।धर्म के लिए खुद को न्यौछावर किया, पर झुके नहीं सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त 2025 में इसी सदन ने गुरु जी के 350वें बलिदान दिवस को राज्य स्तर पर मनाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा, "श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन भारतीय सभ्यता की उस आत्मा का प्रतीक है, जिन्होंने धर्म और सत्य की रक्षा के लिए स्वयं को न्यौछावर कर दिया, लेकिन अन्याय के आगे कभी सिर नहीं झुकाया।"

प्रधानमंत्री मोदी का आभार और ऐतिहासिक आयोजन

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन आयोजनों को भव्य बनाने के लिए 3 नवंबर को चंडीगढ़ में सर्वदलीय बैठक बुलाकर

आम राय ली गई थी। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाल समागम में शिरकत कर गुरुजी को नमन किया और उनकी स्मृति में सिक्का, डाक टिकट और कॉफी टेबल बुक जारी की।प्रधानमंत्री ने उसी दिन कुरुक्षेत्र में महाभारत थीम पर आधारित 'अनुभव केंद्र' और भगवान कृष्ण के शंख के नाम पर 'पंचजन्य स्मारक' का लोकार्पण भी किया, जिसकी सराहना उन्होंने 'मन की बात' कार्यक्रम में भी की। मुख्यमंत्री ने सदन में गुरु साहिब की याद में सरकार द्वारा लिए गए कई बड़े फैसलों की जानकारी दी। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में गुरु तेग बहादुर जी के जीवन दर्शन पर शोध के लिए एक विशेष चेयर स्थापित की जाएगी। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक अंबाला का नाम अब श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर होगा। यमुनानगर के किशनपुरा में गुरु तेग बहादुर कृषि महाविद्यालय खोलने की घोषणा की गई। यमुनानगर के कलेसर में गुरु साहिब के नाम पर एक विशाल वन विकसित किया जाएगा।जन-भागीदारी का नया रिकॉर्ड

सीएम ने बताया कि गुरु जी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्यक्रम हुए: रक्तदानः 350 शिविरों में 23,000 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। निबंध और कहानी प्रतियोगिताओं में साढ़े तीन लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। करनाल में आयोजित 'हिन्द की चादर' मैराथन में 80,000 से ज्यादा धावकों ने हिस्सा लिया।

# हरियाणा का पहला Gen-Z पोस्ट ऑफिस हुआ शुरू, युवाओं को मिलेंगी आधुनिक डाक सेवाएं

हिसार : हिसार में हरियाणा का पहला Gen-Z थीम आधारित पोस्ट ऑफिस शुरू किया गया है। डाक विभाग ने यह नवीनीकृत पोस्ट ऑफिस गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (GJUS&T) परिसर में स्थापित किया है। इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई और मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, हरियाणा परिमंडल सचिन किशोर ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर डाक विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। चीफ पोस्ट मास्टर जनरल सचिन किशोर ने बताया कि Gen-Z पोस्ट ऑफिस की अवधारणा को केंद्रीय संचार मंत्री द्वारा बढ़ावा दिया गया है। देश में इसकी शुरूआत दिल्ली से हुई थी, जबकि

हरियाणा में यह पहला Gen-Z पोस्ट ऑफिस है। इसका उद्देश्य स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली युवा पीढ़ी को उनकी जरूरतों के अनुसार आधुनिक और डिजिटल डाक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस पोस्ट ऑफिस के डिजाइन और सुविधाओं के निर्धारण में GJUS&T के छात्र-छात्राओं की अहम भूमिका रही है।कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थियों से सुझाव लेकर पोस्ट ऑफिस में सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां विभिन्न डाक योजनाओं की जानकारी भी छात्रों को दी जा रही है, जिससे युवाओं का डाक सेवाओं की ओर रुझान बढ़ेगा। पोस्ट ऑफिस की दीवारों पर हरियाणवी संस्कृति से जुड़े चित्र भी उकेरे गए हैं, जो इसे विशेष बनाते हैं। छात्रों ने बताया कि Gen-Z पोस्ट ऑफिस में वाई-फाई, डिजिटल भुगतान, ऐप आधारित सेवाएं, बैंकिंग और पार्सल सुविधाएं उपलब्ध हैं। आधार नंबर के माध्यम से नकद निकासी की सुविधा भी दी गई है। विद्यार्थियों के लिए कई डाक सेवाओं पर 10 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। छात्रों का कहना है कि इस तरह की पहल से डाक विभाग की सेवाएं आधुनिक समय में और अधिक प्रासंगिक बनेंगी।

## हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कमजोर, कई पद खाली...5384 पद फिलहाल रिक्त

चंडीगढ : हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रदेश सरकार ने विधानसभा में यह स्वीकार किया है कि मेडिकल और पैरा-मेडिकल स्टाफ के हजारों पद लंबे समय से खाली पड़े हैं। रानिया से विधायक अर्जुन चौटाला द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बृहस्पतिवार को सदन में सभी जिलों से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जिसमें स्वास्थ्य तंत्र की असल तस्वीर सामने आई है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 21 हजार 296 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 15 हजार 912 पदों पर ही तैनाती हो पाई है, जबकि 5384 पद फिलहाल रिक्त हैं। इन आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफ की भारी कमी बनी हुई है, जिसका सीधा असर मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ रहा है।विपक्ष ने इन आंकड़ों को लेकर सरकार की स्वास्थ्य नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब तक स्थायी भर्तियां नहीं होंगी, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था केवल अस्थायी राहत ही दे पाएगी। सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट यह साफ संकेत देती है कि हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सिर्फ योजनाओं से नहीं, बल्कि समयबद्ध और ठोस भर्ती प्रक्रिया से ही हालात सुधर सकते हैं। डॉक्टरों से लेकर डेंटल स्टाफ तक कमी रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश में सिविल सर्जन के 16 पद खाली हैं। एसएमओ (सीनियर मेडिकल ऑफिसर) के 644 स्वीकृत पदों में से 219 पद रिक्त हैं। मेडिकल ऑफिसर के 3969 पदों में से 777 पद खाली पड़े हैं। सीनियर डेंटल सर्जन के 56 पदों में से 20, डेंटल सर्जन के 717 में से 58, और डेंटल असिस्टेंट के 290 में से 194 पद रिक्त हैं। इसके अलावा एमपीएचडब्ल्यू (मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर) के 2734 स्वीकृत पदों में से 597 पद अब तक नहीं भरे जा सके हैं।स्थायी भर्ती तक वैकल्पिक इंतजाम स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने सदन को भरोसा दिलाया कि इन रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी), हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) और विभागीय चयन समितियों को भर्ती प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं।

सरकार का दावा है कि आने वाले एक वर्ष के भीतर अधिकांश पदों पर स्थायी नियुक्तियां हो सकती हैं। जब तक स्थायी भर्ती पूरी नहीं होती, तब तक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित होने से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआनएन), अंडर-ट्रेनिंग स्टाफ और अन्य संविदात्मक स्त्रोतों से कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है।

# कांग्रेस ने सदन में पेश किया अविश्वास प्रस्ताव, स्पीकर ने किया मंजूर, विधायक सेतिया और मंत्री गंगवा में तीखी बहस

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज पहला दिन रहा। पहले दिन की कार्यवाही प्रश्नकाल से आरंभ हुई, जिसके बाद सदन में गुरु तेगबहादुर जी के शहीदी दिवस पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का बलिदान मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की मिसाल है और सभी ने उनके शहीदी दिवस को सामूहिक रूप से मनाने का संकल्प लिया है। दोपहर के बाद करीब साढ़े तीन बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इसी दौरान कांग्रेस द्वारा अविश्वास प्रस्ताव

पेश किया गया। जिसे स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर को सत्र की दूसरी बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा कराई जाएगी। सत्र के दौरान सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया ने पानी की समस्या उठाई तो कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा और सेतिया के बीच जमकर बहस हुई। गोकुल सेतिया ने गंगवा को कहा कि आपकी जीरो तो परफार्मेंस हैं। कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने गोहाना को जिला बनाने की लंबित मांग को उठाते हुए इसे शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता जताई। वहीं शाहाबाद से विधायक राम करण ने खेतों में आई बाढ़ से जमी गाद हटाने का मुद्दा उठाया, जिस पर मंत्री कृष्ण बेदी से तीखी बहस हुई। इस बहस में मुख्यमंत्री नायब सैनी और नेता विपक्ष भूपेंद्र हुड्डा को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। मंत्री अनिल विज ने शायराना अंदाज में भूपेंद्र हुड्डा को नेता विपक्ष बनने पर बधाई देकर सदन का माहौल हल्का किया।

## हुडडा को लेकर बोले विज, हवाएं लाख मुखालिफ हों, मगर यह तय है कि दिया वहीं जलेगा

चंडीगढ़ : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने हरियाणा विधानसभा में शुरू हुए शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के नेता श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा को विपक्ष के नेता बनने पर मुबारकबाद दी और कहा कि हवाएं लाख मुखालिफ हों, मगर यह तय है कि दिया वहीं जलेगा, जो अपनी जिद पर अडा है। श्री विज ने विपक्ष के नेता को मुबारकबाद देते हुए कहा कि आपकी (विपक्ष के नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा) जिद जीत गई, मगर एसआर हार गई, मैं आपको (विपक्ष के नेता भूपेन्द्र सिंह हुडडा) मुबारकबाद देना चाहता हूं।

## सहकारिता हमारे जीवन का मूल संस्कार है : संजय पंचपोर

विष्णु चौहान। पानीपत। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक पानीपत में आयोजित सहकार भारती की प्रांतीय बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पंचपोर ने सहकारिता को भारतीय जीवन पद्धति का मूल संस्कार बताते हुए कहा कि सहकारिता हमारे जीवन के मूल में समाहित है, आवश्यकता केवल इसे समझने और व्यवहार में उतारने की है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का प्रत्येक कार्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से एक-दूसरे के सहयोग से और एक-दूसरे के लिए ही होता है। कार्यक्रम की शुरूआत दीपप्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रान्त सह संगठन मंत्री अनुपम कुमार ने किया।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संजय पंचपोर ने परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि परिवार सहकारिता का सबसे शाश्वत और सशक्त स्वरूप

है। परिवार में सभी निर्णय और व्यवस्थाएं परस्पर हितों को ध्यान में रखकर की जाती हैं, जहाँ सहयोग, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। यही सहकारिता की वास्तविक आत्मा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सहकारिता के लिए संस्कार नींव का कार्य करते हैं। जब समाज में सहयोग और सेवा के संस्कार मजबूत होते हैं, तभी सहकारिता दीर्घकाल तक प्रभावी रह सकती है। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संरक्षक ठाकुर दीनानाथ ने कहा कि समाज में सहकारिता को मजबूत करने के लिए सहयोगी और समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों की पहचान कर प्रयास शुरू करने होंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता का आधार ही समावेशी है, जिसमें सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित होती है और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रांतीय अध्यक्ष राजवीर गोदारा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सहकारिता के लिए अर्थ नहीं, बल्कि कर्म प्रधान है। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल लाभ की अवधारणा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सेवा, विश्वास और सामूहिक उत्थान का माध्यम है। बैठक में प्रांत प्रमुख (मीडिया) विष्णु चौहान ने राष्ट्रीय अधिकारियों को अवगत कराया कि प्रदेश के 20 जिलों में जिला मीडिया प्रमुख की नियुक्ति हो चुकी है और जिला मीडिया प्रमुख अपने कर्तव्य का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्भय कर रहे हैं। प्रदेश महासचिव डॉ. सौरव भीष्म ने कहा कि हमारे देहवाक्यों में ही सहकारिता का सार निहित है। ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व जैसे विचार भारतीय समाज को सहयोग और सामूहिकता की दिशा में प्रेरित करते हैं। बैठक में वक्ताओं ने सहकारिता को जन-जन तक पहुँचाने

# ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन: हरियाणा पुलिस का निर्णायक प्रहार, 174 गिरफ्तार...30 फरार हिंसक अपराधी दबोचे

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस ने अपराध और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति को और मजबूती देते हुए 17 दिसंबर 2025 को ह्यऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशनह्न के तहत एक और प्रभावी राज्यव्यापी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस सघन अभियान में प्रदेशभर के 830 चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर एक साथ छापेमारी और कॉम्बिंग की गई, जिसके परिणामस्वरूप 174 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। इनमें 30 फरार एवं हिंसक अपराधी तथा 10 अवैध हथियार रखने वाले आरोपी शामिल हैं। इस कार्रवाई के दौरान 60 नए आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिससे संगठित अपराध, नशा तस्करी और अवैध गतिविधियों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। हिंसक अपराधियों और गैंगस्टर्स पर फोकस, गुरुग्राम पुलिस की शानदार सफलता इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी रही। राज्यभर में 30 खूंखार और हिंसक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इसमें गुरुग्राम पुलिस ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अकेले 12 हिंसक अपराधियों को दबोचा, जो किसी एक जिले द्वारा की गई सबसे बड़ी कार्रवाई है। गुरुग्राम में 65 स्थानों पर कॉम्बिंग के दौरान 6 मामले दर्ज कर 10 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, पुलिस ने 19 महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस इनपुट्स अन्य राज्यों के साथ साझा किए, जिससे अंतर-राज्यीय अपराध नेटवर्क को तोड़ने में मदद मिलेगी। भिवानी गिरफ्तारी में अव्वल,

फरीदाबाद और कैथल में भारी नकदी बरामदजिलावार प्रदर्शन पर नजर डालें तो भिवानी पुलिस ने सबसे अधिक प्रभाव दिखाया। भिवानी में 72 स्थानों पर छापेमारी कर 60 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 7 मामले दर्ज किए गए। वहीं, फरीदाबाद पुलिस ने आर्थिक अपराधों पर बड़ी चोट करते हुए एक मामले में 12 लाख रुपये की नकदी बरामद की। कैथल पुलिस ने चोरी के एक मामले में 2 लाख रुपये नकद बरामद कर 2 हिंसक अपराधियों समेत कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूरे राज्य में अभियान के दौरान कुल 14 लाख रुपये नकद अलग-अलग मामलों में जब्त किए गए। ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन केवल अपराधियों पर कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं का भी परिचय दिया। अभियान के दौरान 468 जरूरतमंद नागरिकों को तत्काल सहायता प्रदान की गई। इनमें गुरुग्राम में 138 और पंचकूला में 80 नागरिक शामिल हैं। यह पहल हरियाणा पुलिस के आदर्श वाक्य सेवा, सुरक्षा और सहयोग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। नशा तस्करी पर करारा वार, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और शराब बरामद अभियान के तहत नशा तस्करों के नेटवर्क को भी करारा झटका दिया गया। पुलिस ने 6.18 किलोग्राम गांजा, 19.85 ग्राम व 192 ग्राम हेरोइन, 17.7 किलोग्राम अफीम की भूसी और 2 किलोग्राम चरस बरामद की। अकेले दादरी जिले से 5.7 किलोग्राम गांजा पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त 1005 देसी शराब की बोतलें और 320 लीटर लाहन भी जब्त की गई। यह कार्रवाई नशा-मुक्त हरियाणा की दिशा में जीरो-टॉलरेंस नीति का सशक्त उदाहरण है हथियारों की बरामदगी में 3 देसी कट्टे, 4 पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस शामिल हैं। नूंह पुलिस ने ऑपरेशन हॉटस्पॉट के तहत एक जघन्य अपराध का सफल पटाक्षेप करते हुए डेढ़ महीने से फरार आरोपी जीजा को गिरफ्तार किया, जिसने अपनी नाबालिग साली के साथ दरिंदगी की थी। 31 अक्टूबर की रात को आरोपी ने पानी मांगने के बहाने पीड़िता को घर से बाहर बुलाकर बोलेरो गाड़ी में अगवा किया था। यह गिरफ्तारी न केवल कानून की जीत है, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी है कि अपराधी कितना ही शातिर क्यों न हो,

खबर एक्सप्रेस

## पाकिस्तान से नशे का कारोबार चलाने वाला 5 हजार का इनामी गिरफ्तार

गुड़गांव, (ब्यूरो): पाकिस्तान से मादक पदार्थ मंगवा कर इसे कोरियर के माध्यम से यूएसए सहित भारत के विभिन्न राज्यों व अन्य देशों में भेजने वाले पांच हजार के इनामी को गुड़गांव पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-40 ने काबू कर लिया है। आरोपी की पहचान पंजाब के तरण-तारण निवासी लखबीर सिंह के रूप हुई है। आरोपी दो साल से फरार चल रहा था जिसे अदालत ने भगोड़ा घोषित किया हुआ था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिदेशक ने उस पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि पंजाब में उसके घर से करीब 15 किलोमीटर दूर पाकिस्तान है जहां से वह अवैध रूप से मादक पदार्थ मंगवाता है और इसे यह मादक पदार्थ यूएसए भेजने के लिए 4 से 5 लाख रुपए मिलते थे। डोंकी रूट से यह मादक पदार्थ यूएसए भेजे जाते थे। इस मादक पदार्थ को यूएसए में करीब 25 लाख रुपए में बेचा जाता है। फिलहाल आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर यह भी पता लगा है कि आरोपी के बैंक खाते में करीब 65 लाख रुपए की संदिग्ध ट्रांजेक्शन भी हुई है। जिसकी भी जांच की जा रही है।

## हरियाणा वन विभाग में 72 कर्मचारियों को मिला प्रमोशन, इन 23 की पदोन्नति रोकी

चंडीगढ़ : हरियाणा वन विभाग में कार्यरत 72 वन रक्षकों को दरोगा (फॉरेस्ट गार्ड से फॉरेस्ट दरोगा) पद पर पदोन्नत किया गया है। यह आदेश वन संरक्षक (उत्तरी सर्कल), अंबाला की ओर से जारी किए गए हैं। हालांकि पदोन्नति सूची में शामिल 23 वन रक्षकों की पदोन्नति फिलहाल रोक दी गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, जिन कर्मचारियों की पदोन्नति रोकी गई है, उनमें से कुछ अपात्र पाए गए हैं, जबकि कई के खिलाफ अनुशासनात्मक या आपराधिक कार्रवाई लंबित है। इसके अलावा कुछ कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (ACR), सेवा सत्यापन अथवा प्रशिक्षण से जुड़ा मूल्यांकन पूरा नहीं हो सका। विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही आगे कोई निर्णय लिया जाएगा। वन विभाग में वर्तमान में लगभग 1500 वन रक्षकों के पद स्वीकृत हैं। हालिया पदोन्नति के बाद प्रदेश में करीब 300 के आसपास ही वन रक्षक शेष रह गए हैं। इससे कई क्षेत्रों में वनों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताएं भी सामने आ रही हैं। वहीं विभाग में वन दरोगा के लगभग 450 पद स्वीकृत हैं, जो अब लगभग भर चुके हैं।

## पंचकूला में अवैध खनन पर आयोग का सख्त रुख: प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को फटकार

चंडीगढ़ : हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने पंचकूला में अवैध खनन एवं उससे जुड़ी गंभीर पर्यावरणीय अनियमितताओं पर कड़ा संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अवैध खनन न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य, जीवन एवं मानव अधिकारों का भी सीधा उल्लंघन है। पिंजौरझ्रनालागढ़ रोड, मल्लाह रोड, रायपुर रानी, मोरनी, बरवाला एवं चंडीमंदिर क्षेत्रों में चल रही अवैध खनन गतिविधियों को लेकर प्राप्त रिपोर्ट की गहन समीक्षा के बाद हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा तथा दोनों सदस्यों कुलदीप जैन और दीप भाटिया को मिलाकर बने पूर्ण आयोग ने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (HSPCB) की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया। आयोग ने पाया कि स्टोन क्रशर, स्क्रीनिंग प्लांट, ईंट भट्ठों एवं खनन इकाइयों में अनिवार्य पर्यावरणीय मानकों का व्यापक स्तर पर उल्लंघन हो रहा है। आयोग इस रिपोर्ट से पूर्णतः असंतुष्ट है। आयोग के दिनांक 19 अगस्त 25 के आदेश के अनुपालन में, क्षेत्रीय अधिकारी, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पंचकूला क्षेत्र से दिनांक 12 नवंबर 25 की विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्त हुई है दिनांक 12 नवंबर की रिपोर्ट के अध्ययन के बाद जस्टिस ललित बत्रा की अध्यक्षता वाले पूर्ण आयोग ने अपने आदेश में लिखा है कि आयोग के बार-बार दिए गए निदेशों के बावजूद, क्षेत्रीय अधिकारी, HSPCB, पंचकूला द्वारा नियमित याद्दच्छिक भ्रमण, औचक निरीक्षण एवं सतत निगरानी नहीं की गई। आयोग ने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि अनेक इकाइयों में अनिवार्य दोहरी हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) विकसित नहीं की गई है, जो धूल एवं प्रदूषण को रोकने का प्राथमिक सुरक्षा उपाय है। इसके अतिरिक्त जल छिड़काव प्रणाली, स्मॉग गन, विंड-ब्रेकिंग वॉल, पुनर्चक्रण टैंक, पक्की आंतरिक सड़कें तथा परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का अभाव भी पाया गया। आयोग के सामने प्रस्तुत रिपोर्ट से यह भी पाया गया कि पुनर्चक्रण टैंकों का रखरखाव नहीं, अपशिष्ट जल निस्तारण हेतु लॉग बुक का अभाव, पर्याप्त बैरिकेडिंग नहीं, वाहन रैंप का अभाव, विंड-ब्रेकिंग वॉल्स, जल छिड़काव प्रणाली, स्मॉग गन, पक्की सड़कें, परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन की कमी तथा बिना उपचारित अपशिष्ट जल का निर्वहन जैसी गंभीर कमियाँ मौजूद हैं। निरीक्षण प्रायः कारण बताओ नोटिस के बाद ही किए गए। जस्टिस ललित बत्रा की अध्यक्षता वाले पूर्ण आयोग ने क्षेत्रीय अधिकारी को निम्न निर्देश दिया है: वह सभी पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों का कड़ाई से एवं समान रूप से प्रवर्तन सुनिश्चित करे प्रत्येक इकाई का कम से कम प्रत्येक 30 दिन में एक बार बिना सूचना के निरीक्षण करे। जब तक अनिवार्य शर्तों–जैसे चारों ओर 8–10 फीट ऊँचे वृक्षों का रोपण (रेंज वन अधिकारी से प्रमाणित), बैरिकेडिंग, पुनर्चक्रण टैंक, जल छिड़काव, विंड-ब्रेकिंग वॉल, स्मॉग गन, हरित पट्टी आदि–का पूर्ण अनुपालन न हो, तब तक CTE/CTO प्रदान या नवीनीकरण न किया जाए। उपरोक्त निर्देशों पर कार्रवाई की नवीनतम रिपोर्ट अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पूर्व आयोग के सामने प्रस्तुत करें। आयोग असिस्टेंट रजिस्ट्रार पुनीत अरोड़ा ने बताया कि उपलब्ध तथ्यों और गंभीर आरोपों को देखते हुए, हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने आदेश दिया है कि वन एवं वन्यजीव विभाग, खान एवं भूविज्ञान विभाग, हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो एवं पुलिस आयुक्त, पंचकूला को भी अपनी विस्तृत रिपोर्ट अगली सुनवाई की तिथि अर्थात 26.02.2026 से पूर्व आयोग के सामने प्रस्तुत करनी है।

## अंबाला कैंट नगर परिषद ने लिया दुकानों पर कब्जा, महेश नगर थाने को दिया इतने महीने का समय

अंबाला : अंबाला कैंट के महेश नगर में 20 दुकानों व थानों का न्यायालय द्वारा नगर परिषद के हक में फैसला आने के बाद नगर परिषद की ओर से दुकानों पर ताला लगाकर कब्जा ले लिया। इस दौरान नगर परिषद ई.ओ. देवेंदर नरवाल, महेश नगर एस.एच.ओ. भी मौजूद रहे। वहीं महेश नगर थाने पर नगर परिषद ने कोई कार्रवाई नहीं की और थाने को 2 महीने का समय दे दिया। दरअसल अंबाला छावनी के महेश नगर एरिया में कुछ जगह को लेकर विवाद चला आ रहा था और इसके बाद यह मामला न्यायालय में विचाराधीन था और न्यायालय द्वारा नगर परिषद के हक में फैसला आने के बाद नगर परिषद अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और वहां पर कब्जा लिया। इसके साथ ही कुछ दुकानों पर ताले भी लगा दिए। बताया जा रहा है कि यह मामला 2015 से विचाराधीन था और कुछ लोगों द्वारा इन दुकानदारों से किराया भी वसूला जाता रहा है। नगर परिषद की ओर से मामले में बिना देरी करते हुए जो भी नियमानुसार कार्रवाई थी उसे अमल में लाया गया। दुकानदारों ने फिलहाल दुकानें उन्हें किराए पर देने की मांग रखी है। इस मामले को लेकर नगर परिषद ने कहा कि उन्होंने पूरी कार्रवाई कोर्ट के आदेशों के बाद की है। दुकानदारों को किराए पर दुकानें देने के लिए विचार किया जा रहा है। वहीं महेश नगर थाने पर कोई कार्रवाई न करने पर नगर परिषद एड ने कहा कि उन्हें 2 महीने का समय दिया गया है, क्योंकि थाने की बिल्डिंग नई बनाई जा रही है।

# भारतीय टीम पांचवें टी20 को जीतकर सीरीज समाप्त करने उतरेगी

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पांच मैचों की इस टी20 सीरीज का चौथा मैच कोहरे और धुंध के कारण रद्द कर दिया गया था। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसे में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज 2-2 से बराबरी पर लाना रहेगा।

वहीं भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि अब उसे सीरीज है हारने का खतरा नहीं है। वह अंतिम मैच हारती भी है तो भी सीरीज बराबरी पर ही रहेगी। अब इस अंतिम मैच में सभी की नजरें कप्तान सूर्यकुमार यादव पर रहेंगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पार रहे। ऐसे में ये इस मैच में अच्छा स्कोर बनाना चाहेंगे। टीम प्रबंधन भी उनके फार्म को लेकर चिन्तित है। सूर्यकुमार ने पिछले 20 मैचों की 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए थे। वहीं उपकप्तान शुभमन गिल का इस मैच में खेलना संदिग्ध है कयोंकि वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे।

ऐसे में उनकी जगह इस मैच में पारी की शुरुआत के लिए संजू सैमसन को अवसर दिया जा सकता है। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन के आने के बाद उन्हें मध्यक्रम में उतारा जा रहा था पर वह वहां सफल नहीं रहे हैं। ऐसे में इस मैच में वह पारी की शुरुआत करते हुए बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे।

भारतीय टीम का पलड़ा इस मैच में भारी है। उसके पास अच्छे बल्लेबाज व गेंदबाज हैं। टीम के पास हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर होने के साथ ही तिलक वर्मा जैसा बल्लेबाज है।

तेज गेंदबाजी की बात करें तो बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छे फार्म में हर्षित राणा ने भी अब तक अच्छी गेंदबाजी की है। जसप्रीत बुमराह की भी इस मैच में वापसी होगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास वरुण चक्रवर्ती जैसा गेंदबाज है। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही है। ऐसे में बड़ा स्कोर बनना तय है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम की बात करें तो उसके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। ऐसे में उसे सीरीज में बराबरी करने बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसकी बल्लेबाजी कप्तान एडेन मार्क्रम के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक , डेविड मिलर पर आधारति रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में रीजा हेंड्रिक्स की जगह मार्क्रम को शीर्ष क्रम में उतार सकती है। हेंड्रिक्स इस दौरे पर रन नहीं बना पाये हैं। उसके युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका को इस मैच में मार्को यानसन की सेवाएं नहीं मिल पायेंगी। ऐसे में लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत दर्ज करने हर क्षेत्र में शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना होगा।

### टीमें इस प्रकार हैं

**भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

**दक्षिण अफ्रीका :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

# बीसीसीआई अब उत्तर भारत में पड़ने वाले मैच स्थलों में बदलाव करेगा: राजीव शुक्ला

**–15 दिसंबर से 15 जनवरी तक के मैच कहीं ओर आयोजित होंगे**

**एडीलेड (एजेंसी)।** मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घने कोहरे के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 रद्द होने से सबक लेते हुए अब आगे के मैचों को लेकर एक महत्वपूर्व फैसला किया है। बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अनुसार अब 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच होने वाले मुकाबलों को कहीं और आयोजित किया जा सकता है जिससे दर्शकों और खिलाड़ियों को कोई परेशान न हो। इसके साथ ही सर्दियों के दौरान उत्तर भारत में होने वाले मैचों को कहीं और आयोजित करने पर विचार होगा।

बीसीसीआई को ये बदलाव इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकिक भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला कोहरे के कारण रद्द करना पड़ा था। मैच के दिन स्टेडियम में शाम होते-होते दृश्यता इतनी कम हो गई कि अंपायरों को कई बार मैदान का निरीक्षण करना पड़ा। हालात न सुधरने पर आखिरकार मैच को बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया। इस फैसले से हजारों दर्शकों को निराश होकर वापसी लौटना पड़ा। मैच रद्द होने के बाद बोर्ड उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि उत्तर भारत में 15 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच होने वाले मैचों के कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करने पर विचार किया जाएगा। शुक्ला के मुताबिक, कोहरा अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि घरेलू क्रिकेट को भी प्रभावित कर रहा है, और ऐसे में मैचों को दक्षिण भारत या वेस्ट इंडिया में आयोजित किया जा सकता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी जिसके मुकाबले वडोदरा, राजकोट और इंदौर में होने हैं और इसमें भी खराब मौसम से बाधा आ सकती है। वहीं घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे ट्रॉफी 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक खेली जाएगी, जिसमें जयपुर में भी मैच रखे गये हैं। ऐसे में कोहरे को देखते हुए इन मैचों का आयोजन भी प्रभावित होगा।

# लियोन टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

**–टेस्ट इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने**

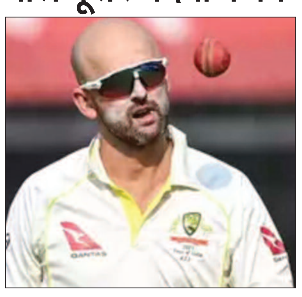

**एडीलेड (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने यहां एडिलेड में खेले जा रहे तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में दूसरा विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब लियोन टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गये हैं। वहीं विश्व स्तर पर टेस्ट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बने हैं।

उन्होंने इससे पहले नंबर एक पर रहे दिग्गज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा को सबसे अधिक विकेट के मामले में पीछे छोड़ दिया है। अब उनसे आगे केवल दिवंगत महान स्पिनर शेन वॉर्न ही हैं। वार्न ने अपने करियर में 708 विकेट टेस्ट क्रिकेटर में लिए थे।

तीसरे टेस्ट की पहली पारी मे लियोन ने इंग्लैंड के डकेट को बोल्ड कर मैक्ग्रा को विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर धकेल दिया। उसी के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में उनके विकेटों की तादाद 564 पहुंच गई और वह ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस मैच से पहले तक मैक्ग्रा ने टेस्ट क्रिकेट में 563 विकेट लिए थे। लियोन ने पहले ओली पोप और उसके बाद डकेट को आउट किया।

लियोन अब टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उनसे आगे इस सूची में श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन, ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, भारत के अनिल कुंबले और इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड शामिल हैं। मुरलीधरन ने 800, वॉर्न ने 708, एंडरसन ने 704, कुंबले ने 619 और ब्रॉड ने 604 विकेट टेस्ट क्रिकेट में लिए हैं।

# 'सबसे खराब टेक्नोलॉजी' : एडिलेड टेस्ट में स्निको विवाद पर मिशेल स्टार्क का तीखा हमला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एशेज सीरीज के एडिलेड टेस्ट में अंपायरिंग और टेक्नोलॉजी एक बार फिर बड़े विवाद की वजह बन गई। दूसरे दिन लगातार दो फैसलों ने खिलाड़ियों और दर्शकों, दोनों को हैरान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क ने स्निको टेक्नोलॉजी पर खुलकर नाराज़गी जताते हुए इसे 'सबसे खराब टेक्नोलॉजी' करार दिया और यहां तक कह दिया कि इसे हटाने की ज़रूरत है। विवादित फैसलों के बीच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ही खेमों में असंतोष साफ दिखाई दिया।

**पहला विवाद: स्मिथ के हेलमेट पर लगी गेंद, फिर भी स्निको स्पाइक**

विवाद की शुरुआत तब हुई जब पैट कमिंस की एक तेज़ शॉर्ट बॉल इंग्लैंड के बल्लेबाज़ स्मिथ पर अजीब उछाल लेकर आई। स्मिथ ने खुद को बचाने की कोशिश की और गेंद फर्स्ट स्लिप की ओर गई, जहां उस्मान ख्वाजा ने आगे की ओर डाइव लगाई।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने ज़ोरदार अपील की, लेकिन ऑन-फील्ड अंपायर को संदेह था कि गेंद बल्ले या ग्लव्स से लगी है या नहीं। मामला थर्ड अंपायर के पास गया। रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद स्मिथ के हेलमेट से टकराई थी, इसके बावजूद स्निको मीटर में स्पाइक नजर आया। अंततः फैसला नॉट-आउट रहा, लेकिन इसी स्पाइक ने पूरे विवाद को जन्म दे दिया।

**'स्निको को हटाने की जरूरत'**

इस फैसले के बाद मिशेल स्टार्क को स्टंप माइक पर अंपायर से चर्चा करते हुए सुना गया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि स्निको टेक्नोलॉजी भरोसेमंद नहीं रही है। स्टार्क ने कहा कि यह टेक्नोलॉजी पहले भी गलत साबित हो चुकी है और एक बार फिर खिलाड़ियों को भ्रमित कर रही है। उनके मुताबिक, ऐसे अहम टेस्ट मैच में इतनी बड़ी गलती स्वीकार्य नहीं है।

**दूसरा झटका: जेमी स्मिथ का विवादित आउट**

पहले विवाद की गर्मी अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि जेमी स्मिथ के आउट होने पर एक और बहस छिड़ गई। पैट कमिंस की शॉर्ट गेंद पर स्मिथ ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन संपर्क साफ नहीं था। गेंद विकेटकीपर एलेक्स कैरी तक पहुंची और अंपायर ने फैसला थर्ड अंपायर को भेजा। हालांकि वीडियो रिप्ले में बल्ले और गेंद के बीच साफ गैप नजर आ रहा था, लेकिन गेंद के बल्ले के पास से गुजरते ही स्निको में एक स्पाइक दर्ज हुआ। इसी आधार पर थर्ड अंपायर ने स्मिथ को आउट करार दे दिया।

**बेन स्टोक्स ने टेक्नोलॉजी पर सवाल उठाए**

इस फैसले के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स काफी नाराज़ दिखे। उनका मानना था कि सिर्फ स्निको स्पाइक के आधार पर फैसला देना सही नहीं है, खासकर तब जब वीडियो

सबूत कुछ और कहानी बता रहे हों। मैच में DRS का इस्तेमाल न होने के बावजूद, थर्ड अंपायर का फैसला पूरी तरह टेक्नोलॉजी पर निर्भर रहा, जिसने बहस को और तेज कर दिया।

**स्निको टेक्नोलॉजी की विश्वसनीयता पर बहस**

एडिलेड टेस्ट की घटनाओं ने एक बार फिर स्निको टेक्नोलॉजी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खिलाड़ी, पूर्व क्रिकेटर और फैंस अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि क्या सिर्फ ऑडियो स्पाइक के आधार पर बड़े फैसले लेना सही है।

# स्पेनिश टेनिस स्टार अल्काराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड । दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते। अल्काराज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर जारी एक बयान में बताया, 'हम शीर्ष पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं और मुझे लगता है कि अगर हमारे खेल के रास्ते अलग होने हैं, तो यह तब होना चाहिए जब हम सबसे ऊंचे मुकाम पर हों। वह मुकाम जिसके लिए हमने हमेशा प्रयास किया और हमेशा वहां पहुंचने की उम्मीद की।' स्पेनिश स्पोर्ट्स अखबार डियारियो एएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि पाब्लो कैरेनो बुस्टा को कोचिंग देने वाले सैमुअल लोपेज 2026 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए अल्काराज के नए कोच होंगे।

# धोनी से सीखना चाहते हैं प्रशांत

मुम्बई । आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये हासिल करने वाले अनफैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर का सपना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के साथ खेलना और सीखना है। प्रशांत का कहना है कि वह धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उत्तर प्रदेश की ओर से खेलने वाले प्रशांत वीर को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ में खरीदा है। प्रशांत ने कहा कि वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़कर बेहद खुश हैं क्योंकि वहां एमएस धोनी मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि धोनी जिस तरह से निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। उनकी मानसिक मजबूती बातचीत का तरीका और खेल के दौरान उनका ध्यान ये सभी चीजें सीखने लायक हैं। उन्होंने अंत में कहा, 'अगर मैं उन जैसे महान खिलाड़ी से 4 से 5 फीसदी भी सीख पाता हूं, तो वह मेरे करियर के लिए बहुत सहायक होगा।' सीएसके ने प्रशां के अलावा कार्तिक शर्मा को भी 14.2 करोड़ में खरीदा है। जिससे ये दोनो ही आईपीएल के सबसे महंगे गैरअनुभवी खिलाड़ी बन गये हैं। कार्तिक के लिये भी सीएसके और हैदराबाद के बीच खींचतान हुई, लेकिन आखिरकार चेन्नई की फ्रेंचाइज़ी ने इस विस्फोटक बल्लेबाज को 14.2 करोड़ में खरीद लिया। ये दोनों ही खिलाड़ी लीग के इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गये। इससे पहले यह रिकॉर्ड आवेश खान के पास था जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2022 में 10 करोड़ में खरीदा था।

# पीएसजी ने फ्लेमेंगो को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता

**दोहा (कतर) (एजेंसी)।** पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में ब्राज़ील की फ्लेमेंगो टीम को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप का खिताब अपने नाम कर लिया। यह पीएसजी की इस साल की छठी बड़ी ट्रॉफी है, जिससे क्लब का सुनहरा सीजन और भी यादगार बन गया।

अल रेयान स्थित अहमद बिन अली स्टेडियम में खेले गए इस फाइनल में निर्धारित समय और अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर रहा। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में पीएसजी ने फ्लेमेंगो को 2-1 से मात देकर खिताबी जीत दर्ज की।

**रोमांचक रहा फाइनल मुकाबला**

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। पीएसजी को पहला गोल 38वें मिनट में ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने दिलाया, जिससे फ्रेंच क्लब ने बढ़त हासिल की। हालांकि, हाफटाइम के बाद फ्लेमेंगो ने जोरदार वापसी की। 62वें मिनट में जोर्जिन्हो ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिली। मैच के अंतिम क्षणों में पीएसजी गोल के बेहद करीब पहुंचा, मगर फ्लेमेंगो के गोलकीपर ऑगस्टिन रॉसी ने शानदार बचाव कर टीम को बचाए रखा।

**शूटआउट में पीएसजी का दबदबा**

निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में कोई गोल नहीं होने के बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। यहां पीएसजी के खिलाड़ियों ने बेहतर संयम दिखाया और फ्लेमेंगो को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

**पीएसजी का सुनहरा सीजन**

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने के साथ ही पीएसजी ने इस साल अपनी छठी ट्रॉफी हासिल की। इससे पहले क्लब ने लीग 1, कूप डी फ्रांस, ट्रॉफी डेस चैंपियंस, यूईएफए चैंपियंस लीग और यूईएफए सुपर कप के खिताब भी अपने नाम किए थे।

यह जीत पीएसजी के लिए न सिर्फ एक और ट्रॉफी है, बल्कि उनके ऐतिहासिक और सफल सीजन की पुष्टि भी करती है।

# फ्रांस के पूर्व स्ट्राइकर हेनरी को मिलेगा स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

लंदन। आर्सेनल और फ्रांस के पूर्व स्ट्राइकर थियरी हेनरी को 2025 के बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर कार्यक्रम में आज लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। 2014 में पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेने वाले हेनरी ने इस पुरस्कार से सम्मानित किये जाने को लेकर कहा कि यह सम्मान मिलना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल ने मुझे सब कुछ दिया है और मैंने भी इसे अपना सब कुछ दिया है। इस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ इसके इतिहास का हिस्सा बनने के लिए पहचाना जाना, और फैंस और मेरे टीम के साथियों के लिए अपनी पहचान बनाना, यह कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी हल्के में नहीं लूंगा।' आर्सेनल के साथ दो बार खेलते हुए, हेनरी ने 377 मैचों में 228 गोल किए, और 2005 में इयान राइट को पीछे छोड़कर क्लब के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर बन गए। गनर्स के साथ उनके सम्मानों में दो प्रीमियर लीग खिताब और तीन एफए कप शामिल हैं, जिसमें सबसे खास 2003–04 का सीजन था जब आर्सेनल अजेय रहा और 'इनविंसिबल' का दर्जा हासिल किया। हेनरी ने चार बार प्रीमियर लीग गोल्डन बूट जीता, जो एक संयुक्त रिकॉर्ड है और लगातार 6 सीजन तक पीएफए टीम ऑफ द ईयर में नामित हुए।

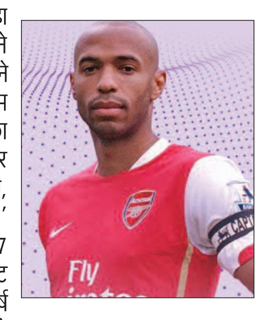

# श्रीलंकाई टीम के क्षेत्ररक्षण कोच होंगे श्रीधर

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने भारत के आर श्रीधर को को आगामी टी20 विश्वकप कप के लिए अपनी टीम का क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। श्रीधर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लेवल 3 क्वालिफाइड कोच हैं। श्रीधर इससे पहले साल 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ भी सलाहकार के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंकाई टीम के क्षेत्ररक्षण को सुधारने की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी–20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। वहीं श्रीधर ने इस जिम्मेदारी पर उत्साहित होते हुए कहा, श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा वाले होने के साथ ही सामूहिक रुप से खेलने पर जोर देने के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम उनपर किसी प्रकार का नया दबाव बनाना नहीं है। वहीं ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी अपनी क्षमता, जागरूकता के क साथ मैदान पर स्वाभाविक रूप से बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा, फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक–दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं। श्रीलंका की पारंपरिक ताकतें तेज हाथ, तेज रिफ्लेक्स और निडर इरादा रहा है। इन्हीं क्षमताओं को और निखारा जाएगा। वहीं श्रीलंकाई बोर्ड ने कहा है कि श्रीधर के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होने का उन्हें भरोसा है।

# आईपीएल 2026 : नीलामी में नहीं बिके ये बड़े खिलाड़ी, आकाश चोपड़ा ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2026 की नीलामी में जहां करोड़ों की बोली और नए सितारों के उभार ने सुर्खियां बटोरीं, वहीं कुछ बड़े अंतरराष्ट्रीय नामों का ना बिकना क्रिकेट जगत के लिए हैरानी भरा रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने माइकल ब्रेसवेल, जेमी स्मिथ और जॉनी बेयरस्टो जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को किसी भी टीम द्वारा नहीं खरीदे जाने पर खुलकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि इस बार नीलामी में कई फैसलों ने क्रिकेट लॉजिक को पीछे छोड़ दिया।

**आकाश चोपड़ा को क्यों हुआ सबसे ज्यादा आश्चर्य?**

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर आईपीएल ऑक्शन को लेकर बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफघरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बड़ा इनाम मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित कर चुके खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया गया। चोपड़ा के मुताबिक यह नीलामी कई मायनों में ÷सरप्राइज पैकेज÷ रही।

**माइकल ब्रेसवेल: ऑलराउंडर, फिर भी अनसोल्ड**

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को लेकर आकाश चोपड़ा सबसे ज्यादा हैरान दिखे। उन्होंने याद दिलाया कि ब्रेसवेल भारत के खिलाफबड़े मैचों में शतक जड़ चुके हैं और वह बल्लेबाजी के साथ-साथ ऑफ-स्पिन भी कर सकते हैं। आकाश का मानना था कि चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसी टीमों को ऐसे खिलाड़ी की सख्त जरूरत थी, लेकिन किसी ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई। टी20आई में संतुलित रिकॉर्ड और बड़े मैचों का अनुभव होने के बावजूद उनका अनसोल्ड रहना कई सवाल खड़े करता है।

**जेमी स्मिथ: विकेटकीपर-बल्लेबाज, फिर भी मौका नहीं**

इंग्लैंड के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को लेकर भी आकाश चोपड़ा ने 'लॉजिक फेल' करार दिया। उन्होंने कहा कि स्मिथ को कई बार नीलामी में लाया गया, यहां तक कि एक्सेलरेटेड राउंड तक पहुंचे, लेकिन हर बार टीमों ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। आकाश के मुताबिक जेमी स्मिथ ऐसे खिलाड़ी हैं जो टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में बल्लेबाजी कर सकते हैं। उनका स्ट्राइक रेट और फिनिशिंग एबिलिटी टी20 क्रिकेट के लिए आदर्श मानी जाती है, फिर भी किसी फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा नहीं दिखाया।

**जॉनी बेयरस्टो का अनसोल्ड रहना सबसे बड़ा झटका**

इंग्लैंड के अनुभवी स्टार जॉनी बेयरस्टो का

नाम अनसोल्ड लिस्ट में होना आकाश चोपड़ा के लिए सबसे चौंकाने वाला रहा। उन्होंने कहा कि जब टिम सीफर्ट, फिन एलन, क्विंटन डी कॉक और बेन डकेट जैसे बल्लेबाज बिक सकते हैं, तो बेयरस्टो के लिए जगह न बनना समझ से बाहर है। पिछले सीजन में सीमित मौकों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करने वाले बेयरस्टो अगर पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहते, तो किसी भी टीम के लिए मैच विनर साबित हो सकते थे।

# बाबर आजम बीबीएल में भी असफल हुए, प्रशंसकों ने जमकर हूटिंग की

लाहौर । पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम आजकल ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहे हैं। बाबर वहां भी असफल रहे हैं। वह अपने शुरुआती मैच में 5 गेंदों में केवल 2 रन ही बना पाये। जिसके बाद से ही उनकी आलोचनाएं शुरु हो गयी हैं। लगातार दूसरे मैच में असफल होने पर प्रशंसकों ने उनका मजाक बताया है। इसी कारण आउट होने के बाद जब बाबर पवेलियन लौट रहे थे तो प्रशंसकों ने उनकी काफी हूटिंग की। बाबर ने यहां सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेलते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ 10 गेंदों में केवल 9 रन ही बनाये। इससे उनके प्रशंसक भड़क गये। पहले दो मैचों में ही उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है जिससे अब तीसरे मैच में उन्हें शायद ही अवसर मिले। इससे उनके टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह पक्की करने की दावेदारी भी कमजोर हुई है।

# दिलजीत दोसांझ ने शुरू की अपनी नई फिल्म की शूटिंग

**दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक मिनी व्लॉग फैंस के साथ शेयर किया। इन दिनों वह पंजाब में मौजूद हैं। पंजाब में वह इम्तियाज अली के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। व्लॉग में शूटिंग के अलावा वह अपना दिन भर का रूटीन भी फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। फैंस को भी उनका मिनी व्लॉग काफी पसंद आया है।**

## 4 बजे उठकर दिलजीत ने की एक्सरसाइज

मिनी व्लॉग में दिलजीत फनी अंदाज में अपने डेली रूटीन को फैंस के साथ शेयर करते हैं। वह चार बजे उठकर सबसे पहले एक्सरसाइज करते हैं। फिर हेल्दी नाश्ता करते हैं। इसके बाद इम्तियाज अली की फिल्म की शूटिंग के सेट पर पहुंच जाते हैं। वह व्लॉग में इम्तियाज का शुक्रिया अदा करते हैं। इम्तियाज ने 'अमर सिंह चमकीला' के बाद यह दूसरा प्रोजेक्ट दिलजीत के साथ किया है।

मिनी व्लॉग में दिलजीत का मजाकिया अंदाज भी दिखाया। उनकी मस्ती भरी कमेंट्री को फैंस ने पसंद किया। साथ ही फिल्म के शूटिंग सेट पर भी कई फैंस उनसे मिलने आए। पंजाब में शूटिंग करके दिलजीत काफी खुश नजर आए।

## अगले साल 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे दिलजीत

अगले साल फिल्म 'बॉर्डर 2' में दिलजीत दोसांझ नजर आएंगे। यह फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले यानी 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ के अलावा सनी देओल और वरुण धवन भी नजर आएंगे। दिलजीत दोसांझ फिल्म 'बॉर्डर 2' में निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभा रहे हैं, वह इंडियन एयरफोर्स के अधिकारी थे। 1971 के युद्ध में अपने शौर्य के लिए याद किए जाते हैं। उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

# द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली की शूटिंग का अनुभव पुरानी जिंदगी में लौटने जैसा

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने अपना अनुभव साझा किया।

इंटरव्यू में कृतिका ने कहा, शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था।

उन्होंने कहा, किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है। कृतिका ने कहा, दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे ये घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो। फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, श्रेया धनवंतरी, जूही बब्बर, शीबा चड्ढा और डॉली अहलूवालिया अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक दिन की कहानी है। इसमें दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार को दिखाया गया है, जिसमें बानी (कृतिका कामरा) तलाकशुदा है। वह पेशे से राइटर है और अमेरिका में नौकरी करना चाहती है। इसके लिए उसे अपना प्रेजेंटेशन 12 घंटे के अंदर देना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में परिवार के लोग एक के बाद एक आने लगते हैं। ऐसे में एक तरफ 12 घंटे की डेडलाइन है, तो दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों का शोर है। इस दौरान रिश्ते में टकराहट, हल्के-फुल्के ड्रामे और भावनात्मक सीन देखने को मिलते हैं। द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

# तान्या मित्तल को मिला उनका पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट

बिग बॉस 19 की फाइनलिस्ट तान्या मित्तल बिग बॉस के खत्म होने के बाद भी चर्चाओं में हैं। अब तान्या को उनका पहला एक्टिंग प्रोजेक्ट भी मिल गया है और इसकी झलक भी देखने को मिल गई है।

हालांकि, तान्या की एक्टिंग को देखकर नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए ओवर एक्टिंग की दुकान करार दिया। दरअसल, बिग बॉस 19 के पूरा होने के बाद अब तान्या को एक ब्रांड का एड मिला है। जो उनकी एक्टिंग का पहला प्रोजेक्ट है। इस एड का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तान्या को एक्टिंग करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद फैंस के रिएक्शन भी तान्या के इस वीडियो पर आने लगे हैं। तान्या के विज्ञापन को देखने के बाद कई नेटिजेंस ने तान्या की एक्टिंग पर सवाल उठा दिए। तो वहीं कई यूजर्स ने कमेंट करके तान्या को ओवर एक्टिंग की दुकान बता दिया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'पहला और आखिरी शूट। ओवर एक्टिंग की दुकान'। जबकि एक अन्य ने लिखा, 'तान्या का पीआर कमेंट सेक्शन में जोर-शोर से तारीफें करने में लगा है।' एक ने लिखा कि इससे अच्छी एक्टिंग तान्या बिग बॉस में कर रही थीं। जबकि एक ने लिखा कि एक्टिंग तो ढंग से कर ले बहन। इसके अलावा भी कई यूजर्स ने तान्या की एक्टिंग पर सवाल उठाए हैं।

# मनीष पॉल ने पूरी की वन-फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट की शूटिंग

अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और सहजता से ह्यूमर व इमोशन के बीच स्विच करने की कला माहिर मनीष पॉल ने अपनी सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी बहुप्रतीक्षित लोक-पौराणिक थ्रिलर फिल्म वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में निभा रहे अपने किरदार की एक तस्वीर के साथ इस वर्ष का शूटिंग शेड्यूल खत्म होने की खबर, अपने फैंस को दी है। अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए मनीष पॉल ने लिखा है, यह वन के लिए 2025 का शेड्यूल पूरा हो चुका है। अब अगले शेड्यूल के लिए जनवरी 2026 में फिर से आने का बेसब्री से इंतजार है!

भारतीय लोककथाओं और जंगल की कहानियों से प्रेरित फिल्म वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट', बालाजी टेलीफिल्म्स और टीवीएफ मोशन पिक्चर्स की प्रस्तुति के साथ एक महत्वाकांक्षी लोक-पौराणिक थ्रिलर है, जो घने जंगल की पृष्ठभूमि पर बनी रहस्यों और सच्चाई से गुंथी हुई है। अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा द्वारा निर्देशित फ़िल्म वन - फ़ोर्स ऑफ़ द फॉरेस्ट' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे मनीष पॉल फ़िल्म में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे फ़िल्म की स्टार कास्ट और भी मज़बूत हो गई है। गौरतलब है कि 'वन' के अलावा, मनीष पॉल, डेविड धवन निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है', में भी नज़र आने वाले हैं। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि इस फिल्म के साथ मनीष अपने करियर के एक दलेर, डायनैमिक और करियर-डिफाइनिंग नए अध्याय में कदम रख रहे हैं।

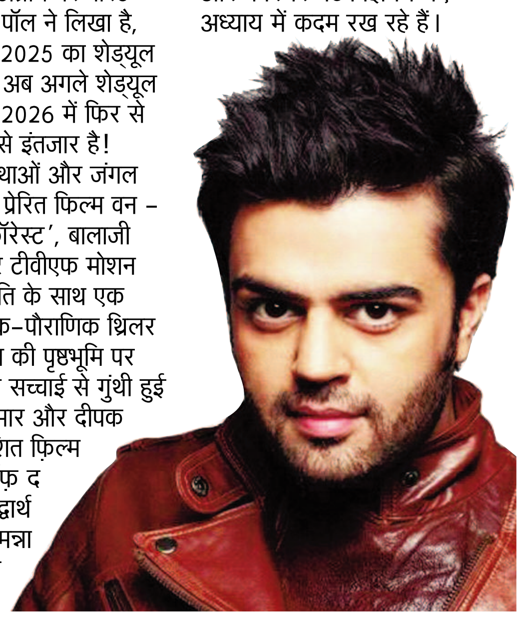

# 'धुरंधर' की सफलता पर रणवीर सिंह ने पहली बार दी प्रतिक्रिया

रणवीर सिंह स्टारर 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई कर रही है। 10 दिनों में ही फिल्म 350 करोड़ से भी अधिक की कमाई कर चुकी है। इस सफलता से फिल्म की कास्ट काफी खुश है। अब अभिनेता रणवीर सिंह ने भी फिल्म की सफलता पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक स्टोरी साझा की है। इस स्टोरी में उन्होंने 'धुरंधर' को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने अपनी स्टोरी में फिल्म से जुड़ा एक डायलॉग ही साझा किया है, जो मौजूदा वक्त में रणवीर की परिस्थिति से भी मिलती है। रणवीर ने अपनी स्टोरी पर लिखा, 'किस्मत की एक बहुत खूबसूरत आदत है कि वो वक्त आने पर बदलती है। लेकिन फिलहाल नजर और सब्र...।' 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने दस दिनों में ही 364.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म न सिर्फ भारत में बल्कि वर्ल्डवाइड कलेक्शन में भी लगातार रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है। मेकर्स की मानें तो 'धुरंधर' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 10 दिनों में 552.70 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। फिल्म ने अपने दूसरे रविवार को रिकॉर्ड 58.20 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

'धुरंधर' का निर्देशन आदित्य धर ने किया है। फिल्म देश में घटी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म में कंधार हाईजैक, संसद हमला और 26/11 आतंकी हमले जैसी देश में घटित घटनाओं को दिखाया गया है।

# सिंगल पैरेंटिंग एक बड़ी चुनौती रही लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी

**महिमा चौधरी ने फिल्मी पर्दे पर किंग खान शाहरुख की फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया। इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत की राह भले ही आसान रही हो। लेकिन असली जिंदगी में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ब्रेस्ट कैंसर की लड़ाई लड़ चुकी महिमा एक भयानक कार हादसे का शिकार भी रहीं। पति से अलगाव के बाद अपनी बेटी अरियाना की सिंगल पैरेंटिंग एक बड़ी चुनौती रही। लेकिन महिमा ने कभी हार नहीं मानी। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी के कारण चर्चा में हैं। फिल्म में उनके साथ संजय मिश्रा हैं। खास बातचीत में महिमा चौधरी ने फिल्म के अलावा उन भावनात्मक मुद्दों पर भी बात, जिस पर बोलने से सेलेब्स अक्सर बचते हैं।**

**आप जब अपनी शादी से अलग हुई होंगी, तब आपके लिए वो फैसला कितना मुश्किल था?**

बहुत मुश्किल था। मैंने अपने माता-पिता की लंबी शादी देखी थी और उसमें इतना प्रेम था, तो मैं तलाक के बारे में सोचती ही नहीं थी। मैं जब भी किसी के डिवोर्स के बारे में सुनती थी, तो मुझे लगता शायद किसी एक ने इस शादी को बचाने की उतनी कोशिश नहीं की होगी। मैं इनकी जगह होती तो बहुत ट्राई करती। मगर जब मुझ पर बीती तो अहसास हुआ कि जो चीज नहीं चलनी है, कितनी भी कोशिश कर लो, नहीं चलती और अगर कोई चीज चल नहीं रही, तो उसमें सही समय पर फैसला लेकर निकल जाना ही समझदारी होती है। ये आपके लिए भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक रूप से सही रहता है।

मेरे डिवोर्स के समय भी मेरे कई जानने वाले मेरे जैसे हाल से ही गुजर रहे थे और उस वक्त उन्होंने अलग होने का कदम नहीं उठाया। वो फैसला उन्होंने आज लिया। अब वे कहते हैं कि तुम कितनी स्ट्रॉन्ग थी, जो तुम उस वक्त ये फैसला कर पाई। मैं कहती हूं कि मैं मजबूत नहीं थी, मगर हां, मेरे पास एक सपोर्टिव फैमिली थी। मेरी मां ने मुझे सपोर्ट किया। मेरी नानी ने मुझे हिम्मत दी। वे बोलीं कि ठीक है, बच्चे हम पाल लेंगे।

**कभी दोबारा शादी करने के बारे में सोचा आपने?**

अभी तक मेरा तलाक नहीं हुआ है। मेरा डिवोर्स पेंडिंग है। मगर दोबारा शादी करने के बारे में बिलकुल सोचती हूं मैं, और अब तो और ज्यादा सोच रही हूं, जबसे मेरी इस फिल्म की शादी वाला फोटो वायरल हुआ है। लोग मेरी दूसरी शादी की उम्मीद कर रहे हैं (हंसती हैं), मैं उन लोगों में से हूं, जो एक बार में हार नहीं मानते। मैं विवाह संस्था में यकीन करती हूं। मेरा मानना है कि दो लोग मिलकर जिंदगी को खुशनुमा बना सकते हैं। यह सपोर्ट सिस्टम जरूरी होता है, होना चाहिए।

**तो शादी को लेकर कोई कड़वाहट नहीं आई?**

नहीं, मेरी नजर में शादी बेहद जरूरी है। जिंदगी और बच्चों की परवरिश अकेले करना आसान नहीं होता, चाहे बात महिला सिंगल पैरेंट की हो या पुरुष की। शादी दो लोगों की साझेदारी है, कंपेनियनशिप है और जब दोनों का बैकग्राउंड या जीवन की चाहतें मिलती-जुलती हों, तो रिश्ते को निभाना आसान हो जाता है। जरूरी नहीं कि दोनों एक जैसी पृष्ठभूमि से आएं, लेकिन दोनों की सोच और लाइफ गोल्स एक दिशा में होने चाहिए।

**सिंगल पैरेंट के रूप में आपकी चुनौतियां क्या रहीं?**

चुनौतियां तो होती हैं, मगर मेरी बेटी अरियाना अपने ग्रैंड पैरेंट्स के साथ पली-बढ़ी है, तो उसकी इतनी डिमांड्स नहीं होती। बचपन से उसको ऐसा लगता था कि मेरे पास पैसे नहीं हैं। असल में मैं ही उसे समझाया करती थी कि बेटा हम ये नहीं कर सकते, हमारे पास पैसे नहीं है। मुझे याद है, मेरी बेटी काफी छोटी थी। मैं और मेरे फ्रेंड्स एक स्टेशनरी की दुकान पर थे और बातों में मशगूल थे। मेरी बेटी ने उस शॉप पर कुछ चीजें सिलेक्ट कीं, मगर कुछ समय बाद उसने उन चीजों में से दो चीज निकाल दी। अब वो बची हुई चीजों के दाम पूछने लगी। आखिरकार उसने बचे-खुचे सामान में से भी मंहगा सामान हटा दिया। उसके पास सिर्फ दो आइटम बचे। मैंने उससे पूछा कि बाकी का सामान कहां है? वो बोली कि नहीं ठीक है मम्मा, ये काफी है। मैंने उससे कहा कि ले लो बाकी की चीजें भी, तो वो मुझे कोने में ले जाकर, धीरे से फुसफुसाकर बोली, नहीं मम्मा, हमारा पैसा खत्म हो जाएगा। इतना मत खरीदो। तो कहने का मतलब ये है कि वो बचपन से ही ऐसी है, समझदार और संवेदनशील। उसने मुझे कभी किसी मुश्किल सिचुएशन में नहीं पड़ने दिया।

**दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी जैसी फिल्म से जुड़ने का खास कारण?**

सबसे पहले तो मुझे इसका शीर्षक ही कमाल का लगा। इसका कॉन्सेप्ट मुझे काफी प्यारा लगा। फिर मुझे बताया गया कि ये दुर्लभ प्रसाद हैं, संजय मिश्रा जी, जो ये रोल निभाने जा रहे हैं। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं इनके साथ ऐसा कोई किरदार निभाऊंगी। मैं काफी एक्साइटेड हो गई थी। लोगों के लिए भी ये पेयरिंग अनयूजवल है। लोगों के लिए ये दिलचस्प तो हैं, मगर साथ ही वे इसे स्वीकार करने के लिए भी तैयार हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।